khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

बुधवार – 06 सितम्बर 2023

वर्ष : 02 – अंक : 313

पृष्ठ–8 मूल्य – 1: 00 रूपये

आरएनआई :

UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

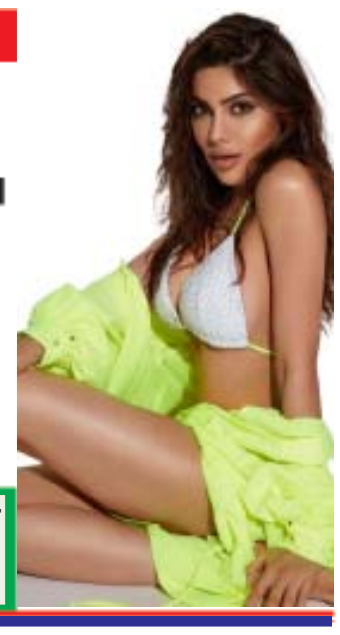

2 लखनऊ की महापौर ने डॉ0 दिनेश शर्मा के राज्यसभा ...

3 पहले चोरी कराओ, बाद में कार्यवाही करो, यह प्रवृत्ति ...

5 टीकाकरण को लेकर ब्लॉक रिस्पॉस टीम को दिया...

नागरिक इंडिया या भारत कहने के लिए स्वतंत्र

सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में की थी टिप्पणी

नई दिल्ली। इंडिया बनाम भारत के विवाद में भले ही कांग्रेस समेत विपक्ष और भाजपा के बीच नई बहस पैदा हो गई है, लेकिन शीर्ष कोर्ट ने इस मुद्दे पर साल 2016 में ही बड़ी और अहम टिप्पणी की थी। तब केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में देश को इंडिया के बदले भारत कहे जाने का विरोध किया था। दरअसल, साल 2015 में शीर्ष अदालत में एक जनहित याचिका दायर कर देश को नाम आधिकारिक रूप से भारत गणतंत्र किए जाने की मांग की गई थी। तब केंद्र सरकार ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद–1 में बदलाव पर विचार किए जाने की कोई परिस्थिति नहीं बनी है। उस जनहित याचिका को खारिज करते हुए शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि नागरिक इंडिया या भारत कहने के लिए स्वतंत्र हैं। बता दें कि याचिका में एनजीओ और कॉरपोरेट्स को यह निर्देश देने की भी मांग की गई थी कि वे सभी आधिकारिक और अनौपचारिक उद्देश्यों के लिए भारत शब्द का इस्तेमाल करें।

2016 में शीर्ष कोर्ट ने की थी टिप्पणी

सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश टी एस ठाकुर और न्यायमूर्ति यू यू ललित की पीठ ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि श्भारत या इंडिया? में से आप इसे भारत कहना चाहते हैं,तो वह कहें। कोई इसे इंडिया कहना चाहता है, उसे इंडिया कहने दें।श बता दें कि महाराष्ट्र के निरंजन भटवाल ने यह याचिका दायर की थी। साथ ही शीर्ष कोर्ट ने याची को फटकार लगाते हुए 11 मार्च, 2016 को यह भी कहा था कि पीआईएल गरीब लोगों के लिए है। आपको क्या लगता है कि हमारे पास करने के लिए और कुछ नहीं है।

केंद्र ने दी थी यह दलील

जी20 आमंत्रण पर प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखने के कारण विपक्ष की आलोचना का सामना कर रहे केंद्र ने नवंबर 2015 में शीर्ष अदालत से कहा था कि देश को इंडिया के बजाय श्भारतश कहने की जरूरत नहीं है। केंद्र ने कहा था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद एक में किसी भी बदलाव पर विचार करने के लिए परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

जनहित याचिका का विरोध करते हुए, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह भी कहा था कि जब संविधान का मसौदा तैयार करते समय संविधान सभा ने देश के नाम पर व्यापक रूप से विचार–विमर्श किया था। मूल मसौदे में भारत का जिक्र नहीं था और बहस के दौरान भारतवर्ष, भारतभूमि, इंडिया दैट इज भारत और भारत दैट इज इंडिया जैसे नामों पर विचार हुआ।

राष्ट्रव्यापी बहस के बीच यह ज्यादा महत्वपूर्ण

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मुद्दे पर जनहित याचिका को पहले ही खारिज करना तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, इस मुद्दे पर देश व्यापी बहस शुरू हो गई है। ये बहस तब शुरू हुई जब कांग्रेस ने दावा किया था कि जी–20 समिट के लिए नौ सितंबर को होने वाले रात्रि भोज के लिए जो निमंत्रण पत्र राष्ट्रपति भवन की तरफ से भेजे गए हैं, उनमें आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया को बदला गया है। रमेश का दावा है कि इसमें इंडिया शब्द को हटाया गया है और प्रेसिडेंट ऑफ भारत का इस्तेमाल किया गया है।

इंडिया होगा भारत?

कॉन्स्टीट्यूशनल अमेंडमेंट हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए संसद में दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन जब संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर में बदलाव की जरुरत होती है, तो इस संविधान में इस बात का जिक्र है कि उसे बदलने के लिए बनाने वाली कमेटी का बैठना जरूरी है।

सुमित वर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

कांग्रेस हमेशा तुष्टिकरण में डूबी रही

भाजपा ने मध्य प्रदेश को बनाया बेमिसाल प्रदेश: अमित शाह

मध्य प्रदेश (एजेंसी)। मंडला में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा ने सर्वांगीण विकास के माध्यम से हर वर्ग को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मंडला में अमित शाह ने जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अभी–अभी मंडला जिले को पूर्ण रूप से फंक्शनल साक्षर जिला घोषित किया गया है। इस आदिवासी बहुल इलाके में साक्षरता का जो अभियान शिवराज सिंह जी ने चलाया है, इसके लिए मैं इनका अभिनंदन करता हूं। शाह ने कहा कि आज मैं इस क्षेत्र में आया हूं, इस क्षेत्र में ज्यादातर मेरे आदिवासी भाई बहन रहते हैं। हम आपका आशीर्वाद मांगने आए हैं।

अमित शाह ने कहा कि इन 20 वर्षों में भाजपा के तीन मुख्यमंत्रियों, विशेषकर शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश को बेमिसाल प्रदेश बनाकर आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य बनाकर ये श्रीमान बंटाधार (कमलनाथ) छोड़कर गए थे। दिग्विजय सिंह की सरकार को याद करिए। भ्रष्टाचार, लूट–खसोट, गड्ढे से भरी सड़कें, पानी बगैर खेत, बिजली बगैर गरीब का घर था और महिला सुरक्षा का नामोनिशान नहीं था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं एक आदिवासी सम्मेलन में हिस्सा लेने मध्य प्रदेश आया था, उस समय शिवराज सिंह जी ने एक साथ 17 घोषणाएं कीं। मैंने पूछा– शिवराज जी ये पूरी होंगी या नहीं? लेकिन आज सुबह जब मैंने इनसे बात की तो पता चला कि सारी की सारी घोषणाएं जो की गई थीं, वो सब मात्र 2 वर्ष में ही पूरी हो गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल, जंगल, जमीन के साथ सुरक्षा, सम्मान और समावेशी विकास को जोड़कर आदिवासी कल्याण के लिए काम किया। भाजपा के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आदिवासी मंत्रालय बनाया। मोदी ने मात्रा के दोष कारण छूटी हुई 23 जाति को फिर से आदिवासी सूची में जोड़ा और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजाति गौरव दिवस मनाकर पूरे देश में आदिवासियों का सम्मान किया।

उन्होंने कहा कि मैं मध्य प्रदेश के पूरे आदिवासी समाज से कहने आया हूं कि जब केंद्र में और प्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी तब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक बयान दिया कि देश की तिजोरी पर सबसे पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। हमेशा से कांग्रेस अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में डूबी रही।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन को प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि, शिक्षकों को किया सलाम

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान को सलाम किया और पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित की। पांच सितंबर 1888 को तमिलनाडु में जन्मे डॉ. राधाकृष्णन को भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद् और महान दार्शनिक के तौर पर जाना जाता है और उन्हीं के सम्मान में इस दिन को 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा, शिक्षक हमारे भविष्य और प्रेरणादायक सपनों को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस पर हम उनके अटूट समर्पण और समाज पर उनके प्रभाव के लिए उन्हें सलाम करते हैं। डॉ. एस राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही एक वीडियो भी साझा किया, जो सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के विजेताओं से उनके संवाद से संबंधित है।

छत्तीसगढ़ में बघेल सरकार को घेरने की तैयारी में भाजपा

छत्तीसगढ (एजेंसी)। भाजपा छत्तीसगढ़ चुनाव को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ाती हुई दिखाई दे रही है। चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और जसपुर से भाजपा परिवर्तन यात्रा निकालेगी। छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रमुख अरुण साव ने कहा कि भाजपा ने दो परिवर्तन यात्राएं आयोजित करने का फैसला किया है। पहली यात्रा 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से दंतेश्वरी मंदिर के आशीर्वाद के साथ एक सार्वजनिक बैठक के साथ शुरू होगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह दंतेवाड़ा से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। यह यात्रा 16 दिन लंबी होगी और 1728 किलोमीटर और 21 जिलों को कवर करेगी। दूसरी यात्रा में बताते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह 16 सितंबर को जसपुर से शुरू होगी। यह यात्रा 12 दिनों तक चलेगी और 14 जिलों को कवर करेगी। दोनों यात्राएं बिलासपुर में एक आमसभा के साथ समाप्त होंगी। दूसरी सभा को जेपी नड्डा हरी झंडी दिखाएंगे। भाजपा नेता ने कहा कि विपक्षी भाजपा परिवर्तन यात्राओं के दौरान विभिन्न मोर्चों पर भूपेश बघेल सरकार की षविफलताओं को उजागर करेगी, जिसे रैलियों और रोड शो के आयोजन द्वारा चिह्नित किया जाएगा। ये यात्राएँ कुल 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 87 में सामूहिक रूप से 2,989 किमी की दूरी तय करेंगी।

'चुनौतियों से निपटने को वैश्विक सहयोग की आवश्यकता', ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जो कई चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है।

दरअसल, वित्त मंत्री सीतारमण ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2023 के चौथे संस्करण के उद्घाटन सत्र में पहुंची थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम एक बहुत ही बहु–ध्रुवीय, बहुत गतिशील और मजबूत दुनिया में रह रहे हैं, जो कई संकटों का सामना कर रही है। ऐसे में वैश्विक सहयोग की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चाहे रणनीतिक मुद्दा हो, अर्थव्यवस्था का मुद्दा हो या कोई और। सभी से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बैंकों और वित्तीय संस्थानों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि ग्राहक हमेशा अपने उत्तराधिकारी को नामांकित करें। इससे ऐसी स्थिति से बचा जा सकेगा, जिसमें लावारिस धन में कमी आएगी।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में सीतारमण ने कहा कि मैं चाहती हूं कि बैंकिंग प्रणाली, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार सहित वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र हर कोई यह ध्यान रखे कि जब कोई ग्राहक पैसे का लेनदेन करता है, तो संगठनों को भविष्य के बारे में सोचना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि वे (ग्राहक) अपने उत्तराधिकारी को नामांकित करें, नाम और पता दें।

दरअसल, कई बार लोग उत्तराधिकारी नामांकित नहीं करते हैं, जिससे उनके निधन के बाद उस धन पर दावा करने वाला कोई नहीं होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अकेले बैंकिंग प्रणाली में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक लावारिस जमा राशि है, जबकि लावारिस धन की कुल मात्रा 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता को कोर्ट का समन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को उस मामले में तलब किया है, जहां यह आरोप लगाया गया है कि उन्हें जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) का उल्लंघन करते हुए एक साथ दो अलग–अलग निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में नामांकित किया गया था। उन्हें 18 नवंबर को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया है। तीस हजारी कोर्ट की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अरजिंदर कौर ने पिछले सप्ताह पारित आदेश में कहा कि इस न्यायालय की सुविचारित राय है कि प्रथम दृष्टया मामला आरोपी व्यक्ति सुनीता केजरीवाल के खिलाफ बनता है।

दो गवाहों द्वारा अदालत में जमा की गई कथित मतदाता सूचियों के अनुसार, सुनीता केजरीवाल का नाम दिल्ली के चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र और उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में था। मामले में शिकायतकर्ता दिल्ली बीजेपी सचिव हरीश खुराना ने भी अदालत में इन दस्तावेजों पर भरोसा किया। खुराना ने कहा कि मैंने यह आवेदन 2019 में दायर किया था। दिल्ली के चांदनी चौक और गाजियाबाद के साहिबाबाद में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना अवैध है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी पत्नी दोनों आईआरएस अधिकारी रहे हैं...

सीएम योगी ने शिक्षकों को किया सम्मानित

बोले खुद को तकनीकी रूप से अपडेट रखें

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है। उनकी भूमिका काफी उल्लेखनीय है। यही वजह है कि समाज में शिक्षकों को विशिष्ट स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का एक पक्ष हर क्षेत्र में वर्तमान पीढ़ी के निर्माण और विद्यार्थियों के मार्ग दर्शन कर राष्ट्र निर्माता बनाने का है तो दूसरा पक्ष भी है। ट्रेड यूनियन की तरह जो शिक्षक, शिक्षण कार्य से विरत होकर अधिकारियों के ही चक्कर काटते रहते हैं। उससे भावी पीढ़ी का भविष्य बर्बाद होता है। ट्रेड यूनियन की पद्धति ने काफी नुकसान किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षकों को समाज भी संदेह की निगाह से देखता है। उनका तिरस्कार करता है। हमें इन दोनों पक्षों को ध्यान में रखकर काम करना होगा। सीएम ने कहा कि दो साल पहले मैंने शिक्षक सम्मान समारोह स्थगित कर दिया था क्योंकि जब सूची सामने आई तो उसमें ऐसे शिक्षकों के नाम थे जो दिन भर भ्रमण करते दिखते थे। वह कभी पढ़ाते नहीं थे। नींव को खोखला करने का काम कर रहे थे। आज उन शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने पठन पाठन के क्षेत्र में कुछ नया किया है। उन्हें सम्मान करके मुझे भी खुशी मिल रही है। सीएम ने कहा कि शिक्षकों के ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी राष्ट्र निर्माण की है। आप भी समय के अनुरूप खुद को तैयार करें। यह दौर तकनीकी का है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षक दिवस के मौके पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्य शिक्षक पुरस्कार हेतु चयनित 94 शिक्षकों को सम्मानित करने और शिक्षकों के लिए 2.09 लाख टैबलेट वितरण का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 18,381 स्मार्ट क्लास व 880 आईसीटी लैब का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री योगी ने पीएम जनधन, पीएम मुद्रा, पीएम स्टैंडअप आदि योजनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि दूर की सोचकर आगे बढ़ें। जब पीएम मोदी ने जनधन खाते खोलने शुरू किए तो लोग इसका महत्व नहीं समझते थे लेकिन कोविड काल में और उसके बाद भी हर सरकारी योजना का लाभ सीधे खाते में जा रहा

आवश्यकता है

आवश्यकता है, उ0प्र0 राजधानी लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र खबर दृष्टिकोण ,वेब पोर्टल व चैनल को मंडल स्तर/जिला स्तर/तहसील स्तर व ब्लाक स्तर पर पार्टनर/क्षेत्रीय पार्टनर/ब्यूरो/सवांददाता की। पत्रकारिता जगत से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करे ।

संपर्क नं.

8840277268 / 522–4073793

ई मेल–

khabardrishtikon@gmail.com

Website :

www.khabardrishtikon.com

Off Add- 6A/101,Sector&6 Vrindavan Yojana Rai Bareli Road Lucknow.

लखनऊ की महापौर ने डा दिनेश शर्मा के राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर दी शुभकामना

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश विधान परिषद के सदस्य एवम लखनऊ के पूर्व महापौर डा दिनेश शर्मा के निर्विरोध राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं दी है । शुभकामना संदेश में महापौर ने डा दिनेश शर्मा के चयन के लिए प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि डा दिनेश शर्मा पार्टी में कई अहम पदों पर रहे, जिनमें कई बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।बतौर राष्ट्रीय सदस्यता प्रमुख साल 2014–15 में भाजपा विश्व की सबसे अधिक सदस्यों वाली पार्टी बनी, जिसका श्गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी नाम दर्ज है। इतना ही नहीं बेदाग छवि, कर्तव्यपरायणता व लोकप्रियता के चलते साल 2012 के निकाय चुनाव में डा साहब को दोबारा मेयर चुनने के लिए लखनऊ वासियों ने जी भरकर प्यार लुटाया, जिसका परिणाम रिकॉर्ड तोड़ मतों से विजयी मिली। इसका उल्लेख श्लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी है। इतना ही नहीं सुशासन के कार्यों के चलते ही डा साहब को इजराइल में 71 देशों के सम्मेलन वर्ल्ड मेयर कॉन्फ्रेंस में बुलाया गया, जहां उन्हें श्मोस्ट ऑनरेबल मेयरश के खिताब से भी नवाजा गया। डा साहब के अनुभव का लाभ देश और समाज को निरंतर मिलता रहे यही हमारी कामना है।

नशे के लिये पैसे ना मिलने से नाराज युवक ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज ।निगोहां के उतरावां मजरा नारायणखेड़ा गांव निवासी लाला राम ने बताया उनका बेटा प्रमोद कुमार रावत (25वर्ष) स्मैक के नशे का आदी था,सोमवार की शाम वो नशा करने के लिये पैसे मांग रहा था मना करने पर घर से चला गया,मगंलवार की सुबह गांव के बाहर एक बाग में आम के पेड़ की डाल में रस्सी के सहारे बेटे प्रमोद का शव लटकता देख उधर से गुजरे ग्रामीणो ने घर आकर सूचना दी ।जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया ।पिता ने बताया तीन साल पहले बेटे का विवाह हुआ था। प्रमोद के नशे की आदत के चलते पत्नी ने विवाह के कुछ माह पूर्व ही छोड़कर चली गई थी और दूसरी जगह शादी कर ली थी ।तभी से प्रमोद नशा और अधिक करने लगा और घर परिवार से भी ज्यादा मतलब नहीं रखता था कभी कभार मजदूरी भी चला जाता था, इधर–उधर घूमता रहता था ।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पंचानामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

बंद घर को निशाना बना चोरो लाखो रूपये के कीमती आभूषण एवं साठ हजार रूपये नगदी किये चोरी

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। गाजीपुर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरो ने एक बंद घर को निशाना बना खिड़की की ग्रिल तोड़ घर में घुस आलमारी का लॉकर तो रखे कीमती सोने चांदी के आभूषण चांदी की गणेश लक्ष्मी मूर्ति एवं साठ हजार रूपये नगदी चोरी कर लिए। घर वापस लौटे पीड़ित को घर में चोरी की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दे स्थानीय थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुरी मकान संख्या बी –10 में रहने वाले जय करन नाथ मिश्रा के मुताबिक वह मकान के निचले हिस्से में रहते है और प्रथम तल पर बने कमरे को किराये पर दे रखा है जिसमे बलिया निवासी बृजेश पाठक किराये पर रहते है। बीते 12 अगस्त को वह अपने बेटे के पास बैंगलोर चले गए थे और घर पर उनके किरायेदार थे जोकि 28 अगस्त को अपने गृह जनपद चले गए थे। बीते 3 सितम्बर की रात्रि जब वह बैंगलोर से वापस अपने घर लौटे तो देखा कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर की खिड़की की लोहे की ग्रिल काटकर घर में घुसकर बेडरूम का ताला तोड़कर कमरे में रखे आलमारी का लॉक तोड़ उसमें रखे सोने चांदी के कीमती जेवरात, चांदी के गणेश लक्ष्मी की मूर्ति व लगभग 60 हजार रूपये को चोरी कर लिया गया है। घर में चोरी की जानकारी होने पर पीड़ित ने स्थानीय पुलिस को सूचना दे थाने पर पहुँच अज्ञात चोरो के खिलाफ लिखित शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है।

बैंककर्मी का घर के सामने खड़ी केटीएम बाइक चोरी, चोरो की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र मेंबेखौफ चोरो ने एक बैंककर्मी का घर के सामने खड़ी बाइक को मास्टर चाभी से खेल पार कर दिया वहीं चोरो की हरकत घर के सामने लगी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सुबह अपने स्थान से बाइक गायब देख पीड़ित बैंक कर्मी ने कंट्रोल नंबर पर सुचना दे फुटेज आधार पर स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है। शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस चोरो की तलाश में जुटी है। आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर एल बी1 में बैंक ऑफ बड़ौदा लखनऊ में कार्यरत गौरव श्रीवास्तव रहते है। पीड़ित बैंककर्मी के मुताबिक बीते 3 सितम्बर की अर्धरात्रि करीब 1:45 बजे से 2:00 बजे के बीच घर के बाहर पार्क उनकी केटीएम ड्यिूक मोटरसाइकिल अज्ञात चोरो द्वारा मास्टर चाभी लगा चोरी कर लिया गया। सुबह जब सोकर उठे तो देखा कि बाइक अपने स्थान से गायब है आसपास खोजा लेकिन बाइक नहीं मिला वहीं जब घर के सामने एक घर में लगे सीसी कैमरे का फुटेज देखा तो उनके के बाहर 3–4 अज्ञात युवक चक्कर लगाते दिखाई पड़े उनमे से एक युवक ने मास्टर चाभी का उपयोग कर उनकी बाइक चोरी कर ले गया। जिसपर पीड़ित ने कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दे स्थानीय थाने पर पहुँच फुटेज आधार पर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरो की पहचान करने में जुटी है।

डा0राधाकृष्णन का पूरा जीवन ही एक सन्देश है:केशव प्रसाद मौर्य

खबर दृष्टिकोण लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने कैम्प कार्यालय में महान दार्शनिक, शिक्षाविद व विचारक डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डा०सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए मौर्य ने कहा कि उनका पूरा जीवन ही एक सन्देश है। उनका जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार व उत्थान के लिए बहुत ही अनुकरणीय कार्य किये। उनके विचारोंं से समाज को, खासतौर से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने शिक्षक दिवस के अवसर पर देश व समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान की चर्चा की ।कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि समाज को सही दिशा देने में अहम् भूमिका निभाते हैं। समाज ने शिक्षकों को सम्मान व श्रद्धा के साथ विशेष स्थान देने का कार्य किया। उप मुख्यमंत्री ने शिक्षकों का आह्वान किया और अपील भी की, कि शिक्षक बच्चों को उन लोगो के बारे में बतायें, जिन्होंने संघर्ष से तपकर, जमीन से जुड़कर सफलता प्राप्त की, कहा कि छात्रों को इतिहास व संस्कृति के बारे में जानने के लिए प्रेरित करें प्रोत्साहित करें।

अब तक 43119 ग्राम पंचायतों में किया गया ग्राम चौपालो का आयोजन

ग्राम चौपालो से – संवरते गांव–सुधरता जीवन: केशव प्रसाद मौर्य

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि गांव चौपालों के आयोजन से गांव विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन में हलचल तेज हुई है और गांवों के संवरने के साथ ही ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधर रहा है, सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है, यही नहीं जिन समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणों को तहसील, जिला या राजधानी जाना पड़ता था, उनका

समाधान उनके अपने गांव में ही हो जा रहा है। प्रदेश में प्रत्येक शुक्रवार को प्रत्येक विकासखण्ड की 2 ग्राम पंचायतो में आयोजित की जा रही ग्राम चौपालों के उत्साहजनक परिणाम निखर कर सामने आ रहे हैं। प्रदेश में शुक्रवार को ग्राम चौपालो का आयोजन कर जहां लोगों की समस्याओं को समझा और सुलझाया जा रहा है, वहीं लाभार्थीपरक योजनाओं सहित विकास व निर्माण कार्यों की जमीनी हकीकत को भी परखा जा रहा है, ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6जनवरी 23 से अब तक प्रदेश की 43119ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपालो का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 32लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 2लाख 17हजार से अधिक समस्याओंध्प्रकरणों का निस्तारण किया गया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चस्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम चौपालो को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाय तथा ग्राम चौपाल में बड़ा बैंक ड्राप लगाया जाय और वहां पर उस ग्राम पंचायत के प्रधानमंत्री आवास योजना –ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों, विभिन्न प्रकार के पेंशनर्स की सूची,व उस ग्राम के अन्य योजनाओं के लाभार्थियों की सूची प्रदर्शित की जाए ।उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह व्यवस्था खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा ग्राम चौपालों का दो माह का रोस्टर जारी करते हुए उसका प्रचार प्रसार कराया जाय, ताकि अधिक से अधिक लोग ग्राम चौपाल में पहुंच कर अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकें।

मोहनलालगंज ब्लाक मुख्यालय से मतदान केन्द्रो के लिये पोलिगं पार्टियां रवाना

मोहनलालगंज। जिला पंचायत के वार्ड–18 में सदस्य पद के उपचुनाव में बुद्धवार को होने वाले मतदान के लिये मंगलवार को मोहनलालगंज ब्लाक मुख्यालय से मतदान केन्द्रो के लिये पोलिगं पार्टियां रवाना की गयी ।डीडीसी उपचुनाव में मतदान के लिये 30मतदान केन्द्रो के लिये 68पोलिगं पार्टिया रवाना हुयी। डीडीसी उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी संगीता रावत,सपा प्रत्याशी रेशमा रावत व निर्दलीय प्रत्याशी रेनू रावत मैदान में है जिनके भाग्य का फैसला 42676मतदाता बैलेट पेपर पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर करेगे ।आरओ धर्मेन्द्र सिहं ने बताया डीडीसी उपचुनाव शांतिपूर्ण कराने के लियेः दो एआरओ रजनीश कुमार व डा०आर के यादव,दो जोनल मजिस्ट्रेट व चार सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है ।जो क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर मतदानकेन्द्रो पर नजर बनाये रखेगे। सुबह सात

बजे से शाम पांच बजे तक 30मतदान केन्द्रो के 68बूथो पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेगें। पांच बजे के बाद मतपेटियों को सील कर मतदानकर्मी वाहनो से पुलिस सुरक्षा के बीच ब्लाक मुख्यालय लाकर वहा बनाये गये स्ट्रांग रूम में जमा करेगे. मतपेटिया रखने के बाद स्ट्रांग रूम को सील किया जायेगा,स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी कैमरो से लैस कर सुरक्षा के लिये पुलिस बल तैनात किया जायेगा। 8सितम्बर को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किया जायेगा ।ब्लाक मुख्यालय पर पोलिगं पार्टिया रवाना करते समय उपजिलाधिकारी हनुमान प्रसाद मौर्य,बीडीओ पूजा सिहं,बीडीओ निशान्त राय,इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य,अतिरिक्त इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम,नायाब तहसीलदार अनुपम वर्मा,एडीओ पंचायत अशोक कुमार समेत राजस्वकर्मी मौजूद रहें।

मतदान केन्द्रो पर पुलिस ने सुरक्षा के किये कड़े प्रबंध.....

मोहनलालग वार्ड–18 के डीडीसी उपचुनाव को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिये पुलिस ने भी सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किये है,मोहनलालगंज सर्किल के एसीपी नितिन सिहं को जोनल मजिस्ट्रेट बनाया गया है,तीन थानो के प्रभारी निरीक्षक समेत तीन कलस्टर मोबाइल,तीन सेक्टर मोबाइल,तीन क्यूआरटीध टीमें चुनाव वाले क्षेत्रो में भ्रमणशील रहकरध सतत निगरानी रखेगी ।डीडीसी उपचुनाव को शांतिपूर्ण कराने के लिये उपनिरीक्षको समेत 227पुलिसकर्मी तैनात किये गये है ।दक्षिणी जोन के डीसीपी विनीत जायसवाल व एडीसीपी शंशाक सिहं भी क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर पैनी नजर बनाये रखेगें।

भारतीय श्रमिक यूनियन ने किया जिला कार्यालय का उद्घाटन

बाराबंकी आवास विकास कॉलोनी पूरे मोती नवाबगंज कुलदीप

सिंह वर्मा (प्रीयम भैया) ने अपने निवास स्थान पर मकान निकट जय हिन्द इन्टर कालेज प्रदेश वा मंडल अयोध्या एवं जिला कार्यलय बाराबंकी में उदघाटन समारोह हुआ जिसमें उपस्थित पदाधिकारी श्री दिनेश प्रसाद वरिष्ठ प्रदेश संयुक्त महामंत्री उ० प्र० राम लखन रावत निजि सचिव राष्ट्रीय अध्यक्ष तुंगनाथ सिंह मंडल अध्यक्ष अयोध्या डाक्टर अशोक कुमार मंडल सचिव अयोध्या देवी शरन तिवारी जिला महासचिव बाराबंकी सत्येन्द्र कुमार ब्लॉक संगठन मंत्री रामनगर बाराबंकी डाक्टर जगत नारायन तिवारी तहसील वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामनगर बाराबंकी राम नरेश पटेल जिला अध्यक्ष बाराबंकी राम प्रकाश सक्रीय सदस्य जिला लखनऊ रामदास सक्रीय सदस्य लखनऊ हनुमान प्रसाद सक्रीय सदस्य लखनऊ सरोज कुमार सक्रीय सदस्य लखनऊ शीलू कुमार मंडल उपाध्यक्ष अयोध्या रेखा वर्मा महिला मंडल अध्यक्ष अयोध्या महेन्द्र सिंह मंडल सचिव अयोध्या आदि सैकडो कार्यकर्ता उपस्थिति रहे

ट्रैफिक पुलिस ने लगवाया जाम,कहीं एंबुलेंस में मरीज तो कहीं बस में सवार यात्री हुए बेहाल

लखनऊ (संवाददाता)। ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही ने सोमवार को शहर में जाम लगवा दिया। आम जनता दो घंटे तक इसमें पिसती रही। बीते दिनों हापुड़ में हुई घटना के विरोध में वकीलों की ओर से प्रदर्शन किए जाने की पहले से जानकारी होने के बावजूद ट्रैफिक डायवर्जन नहीं किया गया। ऐसे में जब दोपहर को प्रदर्शन के लिए अधिवक्ता कचहरी से निकले तो ट्रैफिक पुलिस के हाथ–पांव फूल गए। फिर अचानक जगह–जगह बैरिकेडिंग के साथ ट्रैफिक परिवर्तन कर दिया गया। इससे चारों तरफ जाम लगा रहा। परिवर्तन चौक, कैसरबाग, शहीद स्मारक रोड व हजरतगंज समेत अन्य इलाकों में वाहनों के पहिये थम गए। जानकारी अनुसार कचहरी से निकलकर अधिवक्ता स्वास्थ्य भवन चौराहे से शहीद स्मारक रोड की ओर बढ़े। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर इन्हें रोका। वकीलों की नारेबाजी बढ़ती देखकर पुलिसकर्मियों ने शनि मंदिर की ओर जाने वाले तिराहे पर भी बैरिकेडिंग कर दी और वाहनों को परिवर्तन चौक की तरफ मोड़ दिया। डालीगंज से आने वाले वाहन रोक दिए जाने से परिवर्तन चौक पर दबाव बढ़ गया। उधर, कैसरबाग से स्वास्थ्य भवन की ओर आने वाले वाहनों को दूसरी तरफ मोड़ दिया गया। इससे गलियों में वाहनों की कतार लग गई। सिटी स्टेशन के पास भी वाहन रेंगने लगे।

खबर एक नजर में

पडोसी किराएदार पर बेटी को बहला कर अगवा कर लेने एवं धमकी देने का आरोप लगा माँ ने दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में दस दिन पूर्व लापता हुई युवती की तलाश कर रही माँ ने अपने पडोसी किरायेदारों बेटी को बरगलाकर कर गायब करांने एवं धमकी देने का आरोप लगा स्थानीय थाना कृष्णा नगर में शिकायत की है। पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित गंगा खेड़ा निवासिनी रन्नो यादव पत्नी सुभाष चन्द्र यादव के मुताबिक उनकी 23 वर्षिय पुत्री प्रतिभा यादव बीते 23 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे घर से दूध लेने गई थी वापस नही आई जिसे अपने रिस्तेदारो और परिचितों में काफी तलाशा खोजबीन किया लेकिन पुत्री का कोई पता नहीं चला। जिसपर उसने कृष्णा नगर थाने पर गुसूदगी का मुकदमा दर्ज कराइ थी। लापता युवती की माँ का आरोप है कि जनपद कुशी नगर निवासी रविन्द्र ,जितेन्द्र, हरेन्द्र व तूफान उनके घर के सामने किराये पर रहते थे इन सबके सहयोग से उनकी बेटी को गायब कर दिया गया है। वही परिजनों के मुताबिक उन्हें नामजद आरोपियों ने पूछने पर धमकी दिया है जिसकी रिकार्डिंग व मैसेज उनके पास मौजूद है और उन्होंने बेटी को गुमराह कर बेच देने व मार देने की आशंका जता पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के मुताबिक पीडिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

घर में घुसे चोर ने दो मोबाईल फोन, पॉकेट से हजारो रूपये एवं चेन चोरी कर हुआ फरार

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में घुमन्तु चोरो एक घर में घुस सो रहे युवक का मोबाईल फोन एक सोने की चेन एवं पॉकेट से हजारो रूपये नगदी चोरी कर फरार हो गया। सुबह पीड़ित को चोरी की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाँच के बाद चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है। आशियाना थाना क्षेत्र के औरंगाबाद जागीर निवासी शिशिर शर्मा पुत्र स्व ओंकार नाथ शर्मा के मुताबिक वह बीते तीन सितम्बर की शाम अपने बहन के घर से अपने घर लौटे थे रात्रि खापीकर सो रहे थे कि अर्धरात्रि समय उनके कमरे में घुसे चोर ने कमरे में रखा उनका दो मोबाईल फोन एक पांच ग्राम सोने का चेन एवं उनके पॉकेट से बारह हजार रुपया नगद चोरी कर फरार हो गया। सुबह समय सोकर उठे तो मोबाईल फोन गायब देख कमरे में चोरी की जानकारी हुई जिसपर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाँच के बाद पीड़ित की शिकायत पर चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है।

मूवीक्वीक एकाउंट में लॉगिन का झांसा दे जालसाजों में महिला के खाते से 56 हजार रुपये उड़ाए

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। बिजनौर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला खाताधारक ने जालसाजों द्वारा झांसा में लेकर बीते 23 अगस्त की रात्रि खाते से हजारो रुपये ट्रांसफर कर लेने की शिकायत स्थानीय थाने पर की है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर धोखाधड़ी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। बिजनौर थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता सुनीता मिश्रा पत्नी रविंद्र कुमार के मुताबिक वह अपने मोबाईल फोन पर मूवीक्वीक अकाउंट चलाती है। बीते 23 अगस्त की रात्रि समय उनके मोबाईल नंबर पर एक नंबर से फोन आया कॉल रिसीव करने पर कॉलर ने कहा कि आपका मूवीक्वीक अकाउंट डिवाइस में लॉगिन किया जा रहा है अगर आप नही कर रहे है तो ओटीपी के जरिये कन्फर्म करें। पीड़िता ने कन्फर्म के लिए जैसे ओटीपी बताया उसके थोड़ी देर बाद ही पीड़िता के वालेट से 56891.35 पैसे का ट्रान्जेक्शन हो गया जिसपर महिला ने तुरंत साइबर सेल में अपनी शिकायत दर्ज कराया। साइबर सेल के कहने पर स्थानीय थाने पहुँच पुलिस से शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सड़क किनारे दोस्तों संग बात कर रहे युवक को सिटी बस ने मारी टक्कर

टक्कर से इलाज के दौरान युवक की मौत

पिता की शिकायत पर बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में दोस्तों संग बाइक से खड़े होकर बात कर रहे युवक को तेज रफ्तार में सिटी बस ने टक्कर मार दी थी। जिससे एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था परिजनों ने घायल को टीएस मिश्रा अस्पताल ले गए जहाँ डॉक्टरों ने इलाज से मना कर दिया जिसपर मेदांता अस्पताल ले गए जहाँ इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक के पिता बस नंबर आधार सरोजनीनगर थाने पर बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मूलरूप से जनपद जौनपुर घघरिया मछलीशहर निवासी देवेशप्रताप सिंह के मुताबिक बीते 3 सितम्बर को उनका बेटा अपनी मोटरसाइकिल से अपने दोस्त भानूप्रताप सिंह व अपने दोस्त दीपक त्रिपाठी नादरगंज रोड पर बस वर्कशाप के सामने अपने साथी मो0 ऊबेश से बात कर रहा था इसी दौरान सामने से आ रही सिटी बस दुबग्गा डिपो यूपी 32 सीजेड 7713 के चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए खड़े मेरे बेटे व उसके दोस्तो में टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रुप से घायल हो गये जिन्हे उपचार के लिए टीएस मिश्रा अस्पताल ले गये जहाँ पर उन्होने उपचार के लिये मना कर दिया उसके बाद वहां से मेदांता अस्पताल ले गये जहाँ डाक्टर ने मेरे बेटे को मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना मृतक के पिता ने पुलिस को दी। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज पिता की शिकायत पर बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आम के पेड़ फांसी लगा युवक ने दी जान

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। निगोह थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह गांव के बाहर आम के बाग में आम के पेड़ डाल से रस्सी के सहारे एक युवक का लटका शव देख गांव में हड़कंप मच गया। पिता की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। निगोह थाना क्षेत्र के निगोह गाँव में घर से करीब आधा किमी दूर एक युवक का शव आम की बाग में आम के पेड़ की डाल से नायलॉन की रस्सी से लटका हुआ देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया जानकारी होने पर पहुंचे मृतक के पिता लालाराम ने अपने पुत्र प्रमोद कुमार ‍25‍ के रूप में करते हुए स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के पिता के मुताबिक उनका बेटा मजदूरी करता था और नशे का आदि था।

छात्र ने फांसी का फंदा लगा दी जान

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र में किराये के मकान में रहने वाले एक छात्र ने मंगलवार को टीनशेड में लगे लोहे के एंगल से रस्सी के सहारे फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। मृतक के छोटे भाई की सूचना पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मूलरूप से रसूलपुर थाना तालगांव जनपद सीतापुर निवासी अजीत कुमार पुत्र शिवसागर के मुताबिक उसके बड़े भाई अजय शर्मा ‍21‍ लखनऊ के गली नं0.06 कौशलीपुरी निकट विवाह वाटिका के सामने वाली गली थाना गोमतीनगर विस्तार लखनऊ में किराये के मकान में रहता था और पढाई के साथ आइस पार्लर में पत्रकार पुरम में नौकरी करता था। बीती रात उसके भाई ने किराये के मकान में कमरे के छत में लगे टीन शेड के लोहे के एंगल से रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। जिसकी जानकारी उसे सुबह हुई। भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एससीवीटी की वेबसाइट के माध्यम से 08 सितम्बर 2023 तक कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

राजकीय व निजी आईटीआई में व्यवसायवार रिक्त सीटों की स्थिति सार्वजनिक सूचना पट रहेगी प्रदर्शित

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास और उद्यमशीलता व अधिशासी निदेशक, एससीवीटी अभिषेक सिंह ने बताया कि राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा प्रदेश में चल रहे राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों ‍आईटीआई‍ में सत्र 2023 के तृतीय चरण चयन सूची से 31 अगस्त 2023 तक प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है। पूर्व निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया - 2023 के अनुसार तृतीय चरण प्रवेश प्रक्रिया के उपरान्त परिणामी रिक्त सीटों के सापेक्ष पूर्व पंजीकृत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के अभ्यर्थी से नवीन विकल्प पंजीकृत कराने तथा राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों हेतु नवीन आवेदनकर्ताओं से एससीवीटी की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 06 सितम्बर 2023 की सुबह से 08 सितम्बर 2023 की रात्रि 12 बजे तक आमंत्रित किया गया है। प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में सभी प्रधानाचार्य, राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि संस्थान में रिक्त सीटों की व्यवसायवार स्थिति की सूचना सार्वजनिक सूचना पट पर प्रदर्शित रखेंगे।अधिशासी निदेशक, एससीवीटी ने बताया कि तृतीय चरण प्रवेश के उपरान्त अवशेष सीटों की सूचना जनपदवार, संस्थानवार, व्यवसायवार, पाठ्यक्रमवार एससीवीटी की वेबसाइट पर अथवा जनपद के राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य व कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। वेबसाइट पर "चौथे चरण के लिए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थी द्वारा नवीन विकल्पों के लिए ऑनलाइन आवेदनष तथा ष्चौथे चरण के लिए नवीन अभ्यर्थी द्वारा आवेदनष तथा षरिक्त सीटों का विवरणष के लिंक उपलब्ध रहेंगे।

पहले चोरी कराओ, बाद में कार्यवाही करो, यह प्रवृत्ति बंद हो

उपभोक्ताओं का उत्पीड़न करने के बजाय, तत्काल राहत पहुंचाने के हों प्रयासः ए0के0 शर्मा

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि सभी विद्युत कार्मिक अपनी कार्य संस्कृति एवं चाल चरित्र में बदलाव लायें और उपभोक्ताओं की परेशानियों को तत्काल दूर करने का प्रयास करें। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था में सुधार हेतु अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ कार्मिकों का अपने कार्यों के प्रति ईमानदार होना और समस्याओं को दूर करने के लिए त्वरित प्रयास हों यह भी जरूरी है। उपभोक्ताओं का उत्पीड़न करने के बजाय, उन्हें तत्काल राहत पहुंचाने का प्रयास करें।

शिकायतों का त्वरित संज्ञान लें और गुणवत्तापूर्ण ढंग से इनका समाधान करें। उन्होंने कहा कि विद्युत कार्मिकों की बदौलत प्रदेश की 28 हजार से अधिक मेगावाट की विद्युत मांग को भी सकुशल पूरा किया गया। विद्युत के क्षेत्र में जो कार्य गत 60 वर्षों में नहीं हो सका उसे विगत 5–6 वर्षों के भीतर ही पूरा किया गया। ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा आज नगरीय निकाय निदेशालय में उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 और सभी विद्युत वितरण निगमों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विजनेस प्लान से संबंधित कार्यों, राजस्व वसूली, नगरीय निकायों के विस्तारित व नवसृजित क्षेत्रों में किये जा रहे विद्युत संबंधी कार्य, फीडरों की ट्रिपिंग में कमी लाने की रणनीति तथा विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए गए प्रयासों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बिजली जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन गई है। सबकुछ बिजली पर निर्भर हो गया है। एक मिनट के लिए बिजली का जाना अब बर्दाश्त नहीं होता। बिजली न जाए इसके लिए व्यवस्था एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना होगा। आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर इस व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कोई भी अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के गलत व अर्नगल बिलिंग को रोकना होगा। मिलीभगत करके बिलिंग में सुधार की जाने वाली कोशिशों एवं ऐसे गोरखधंधे को बंद करना होगा। खासतौर से ग्रामीण उपभोक्ताओं को ट्रस्ट बिलिंग करने के लिए बढ़ावा दें। उपभोक्ता स्वयं अपने मीटर की फोटो भेजकर बिलिंग बनवायें, ऐसे प्रयोग को बढ़ाएं। कनेक्शन डायरेक्ट या बाईपास करने के बजाय उपभोक्ता के खराब मीटर को समय पर बदलें। उन्होंने सख्त हिदायत दी की समझाने–बुझाने का अब समय नहीं रहा।

अब गड़बड़ी पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। अधिशासी अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता द्वारा अपने आदमियों, एजेन्सियों व दलालों के माध्यम से की जा रही वसूली स्वीकार्य नहीं। ए0के0 शर्मा ने कहा कि बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए सभी ट्रांसफार्मर का समय पर मेन्टिनेंस किया जाए, इससे ट्रांसफार्मर की कार्यक्षमता बढ़ेगी।

साथ ही शहरी क्षेत्रों में 24 घण्टे में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 48 घण्टे में ट्रांसफार्मर बदलने की समयसीमा का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। उन्होंने जर्जर व लटकते हुए तारों व पोल को ठीक करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में फ्यूज और जम्फर उड़ने की समस्याओं का तत्काल संज्ञान लें। फीडरों की ट्रिपिंग को कम करने की रणनीति पर कार्य किया जाए। एक निश्चित समय पर ही शटडाउन लिया जाए, जिससे की उपभोक्ताओं को विद्युत कटौती का ज्यादा समाना करना न पड़े। ऊर्जा मंत्री ने विद्युत विभाग को अपनी कमियों को तत्काल ठीक करने के साथ कार्मिकों को अपने कार्यों में सुधार करने को कहा। उन्होंने मुख्य अभियन्ता को अपने कार्यदायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने को कहा। मुख्य अभियन्ता अपने क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था की निगरानी और मॉनीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पूर्ण सावधानी बरतने तथा अप्रशिक्षित लोगों को खतरनाक कार्यों से दूर रखें। ऐसी दुर्घटनाएं अब बर्दाश्त नहीं की जायेंगी। उन्होंने कहा कि विद्युत कनेक्शन देने की प्रक्रिया को और आसान बनया जाए तथा इसमें किसी भी प्रकार के दुरूपयोग की गुंजाइश न हो, ऐसी व्यवस्था बनायी जाए। समीक्षा बैठक में राज्यमंत्री डॉ0 सोमेन्द्र तोमर, अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता, चेयरमैन पावर कारपोरेशन आशीष कुमार गोयल, प्रबन्ध निदेशक पावर कारपोरेशन पंकज कुमार, प्रबंध निदेशक उत्पादन एवं पारेषण पी0 गुरू प्रसाद, सभी वितरण निगमों के प्रबंध निदेशक, मुख्य अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता ने प्रतिभाग किया।

निर्माणाधीन इमारत में चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार, चोरी के 26 कि0ग्रा0 लोहे के एंगल बरामद

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस टीम द्वारा निर्माणाधीन ईमारत से भारी मात्रा में लोहे के एंगल चोरी करने वाले दो चोरो को मुखबिर की सुचना पर मंगलवार को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से चोरी के 26 किलोग्राम लोहे का एंगल बरामद हुआ है। सुशांत गोल्फ सिटी प्रभारी अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को थाना क्षेत्र के सेक्टर जे चौराहे से खुर्दही बाजार की तरफ चौराहे के करीब सौ मीटर की दूरी से 26 किलोग्राम लोहे के एंगल संग दो शातिर चोरो को गिरफ्तार किया गया है जिसका मुकदमा स्थानीय थाने पर चोरी की धारा में दर्ज था। पुलिस के पूछताछ में शातिरों ने अपना परिचय सुरेश पुत्र अवध किशोर निवासी खुर्दही बाजार थाना सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ एवं सफी उल्ला पुत्र नईम उल्ला निवासी केवटली थाना कोतवाली सदर जनपद सिद्धार्थनगर हालपता गीता विहार कालोनी थाना सुशान्त गोल्फ सिटी जनपद लखनऊ के रूप में दिया है। शातिरों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है।

भंडावद में शिक्षक दिवस मनाया

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राधाकृष्णन सर्वपल्ली के जन्म दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत भंडावद में उनकी जयंती पर विद्यालय में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि श्री हरिनारायण सोनी रिटायर्ड शिक्षक,दौलत राम मेवाड़ा रिटायर्ड शिक्षक सरपंच नरेंद्र पुष्पद थे डॉक्टर राधाकृष्णन सर्वपल्ली व मां सरस्वती के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया बच्चों ने जहां सरस्वती वंदना, स्वागत गीत की प्रस्तुति दी वहीं उपस्थित शिक्षको उपहार भेंट किया, शिक्षकों ने एवं ग्रामीण जनों ने शिक्षक दिवस पर अपने वक्तव्य दिया इस अवसर पर साला प्रभारी राजेश शर्मा, नितिन उपाध्याय,आशीष शर्मा एवं गोपाल प्रसाद विश्वकर्मा सरपंच नरेंद्र पुष्पद,राजेश मेवाड़ा, सुनील पुष्पद,वाला विकास समिति अध्यक्ष दिनेश जाट सहित आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं छात्र, छात्रा उपस्थित थे।

परिवार का दावा-मंत्री के घर से बंटी निकला

लखनऊ (संवाददाता)। विनय हत्याकांड में पीड़ित परिजन उसके जिस दोस्त अरुण प्रताप सिंह उर्फ बंटी पर सबसे ज्यादा आरोप लगा रहे हैं, सोमवार को उसका एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया। एक सितंबर को तड़के 4रू07 बजे वह केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के घर से बाहर आकर अपनी कार में बैठकर जाता दिखा। परिजनों का दावा है कि बंटी कुछ दूर जाकर रुका और फिर वापस पीछे वाले गेट से घर में घुसा। उसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस हर एक पहलू पर जांच कर रही है। जिस वक्त बंटी कार में बैठकर जा रहा था, लगभग उसी वक्त पर घर के भीतर विनय ड्राइंग रूम में था। फिर वह भीतर कमरे में चला गया था।

दो अवैध प्लाटिंग पर एलडीए ने चलाया बुलडोजर

खब्बर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माणध्प्लाटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में सोमवार को प्रवर्तन जोन–1 की टीम ने गोमती नगर विस्तार और गोसाईंगंज क्षेत्र में दो अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। प्रवर्तन जोन–1 की जोनल अधिकारी प्रिया सिंह ने बताया कि शम्भू रावत व अन्य द्वारा गोसाईंगंज में सुलतानपुर रोड पर ग्राम–मिर्जापुर में लगभग 02 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। इसके अतिरिक्त महादेव व अन्य द्वारा गोमती नगर विस्तार में ग्रामसभा–बक्कास के अंतर्गत शेखनापुर व चिलौला के बीच लगभग ढाई बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। उक्त दोनों प्रकरण में विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। इसके अनुपालन में आज सहायक अभियंता अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता सुरेन्द्र द्विवेदी व सत्यवीर द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से दोनों अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी। इस दौरान इन स्थलों पर विकसित की गयी सड़कें, नाली, बाउन्ड्रीवॉल आदि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

पटाडिया डाबी गांव के लोगों ने बारिश की कामना के चलते गांव बाहर भोजन बनाया

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। करीब 4 सप्ताह से बारिश नहीं होने के कारण बारिश की कामना को लेकर मंगलवार को पटाडिया डाबी गांव के लोगों ने गांव बाहर भोजन बनाया इंद्र देव की पूजा कर भोग लगाया दीप सिंह पटेल विजय बना ने बताया कि सामूहिक रूप से गांव बाहर दाल बाटी और चूरमा बनाकर देवी देवताओं को भोग लगाकर अच्छी बारिश की कामना की मानसून की खेच के चलते क्षेत्र में सोयाबीन के साथ–साथ अन्य फसले भी मुरझानें एवं सुखने लगी है उमस व गर्मी के साथ सूर्य का तेज दिन–ब–दिन बढ़ता जा रहा है किसानों ने की चिंता बढ़ रही है किसान रोज आशा भरी नजरों से बादलों की ओर देख रहे हैं कि कब मेघ बरसेंगे और कब मुरझाती फसल को सहारा मिले रूठे इंद्रदेव को मनाने के लिए क्षेत्र में हवन पूजन भजन कीर्तन के साथ धार्मिक आयोजन एवं टोने टोटके के साथ पैदल यात्रा ग्रामीण जनों के द्वारा शक्तिपीठ मंदिरों तक की जा रही है इसके साथ ही मऊ गांव में करीब तीन दिनों से अखंड खेड़ापति हनुमान मंदिर की परिक्रमा महंत गुरचरण दास सहित ग्रामीणों के द्वारा की जा रही है तथा जब तक बारिश नहीं होगी लगातार परिक्रमा भजन कीर्तन के साथ जारी रहेगी पटाडिया डाबी गांव में खेड़ापति हनुमान मंदिर पर हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना कर नयनाभिराम चोला चढ़ाकर आरती भी की गई तथा ग्रामीण वासियों के द्वारा गांव के सभी देवी देवताओं की पूजा कर गांव के बाहर भोजन बनाया गया एवं सभी ग्रामीण जनों के द्वारा इंद्रदेव से अच्छी बारिश की कामना की गई।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मनाया गया शिक्षक दिवस

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ध ामंदा में बड़े हर्ष उल्लास के साथ शिक्षक दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया गया इस दौरान प्रधानाचार्य भगवान बैरागी और उत्सव प्रमुख सुश्री माया कारपेंटर द्वारा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं महापुरुषो एवं मां सरस्वती चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं भैया बहनों के द्वारा सरस्वती वंदना की गई इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य के द्वारा जीवन में गुरु की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए कहा कि विद्यालय में प्रत्येक वर्ष भारत के पूर्व राष्ट्रपति और विद्वान शिक्षक डॉक्टर राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है वह शिक्षक भी थे उन्होंने अपने जीवन के 40 वर्षों से अधिक समय शिक्षण कार्य में लगाया उनके व्यक्तित्व से छात्र एवं अन्य शिक्षक बहुत ही प्रभावित होते थे सुजुकी मेहता की और प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु महान है कुमार के शिशु मार्ग पर चलने की प्रेरणा गुरु से प्राप्त होती है जो की शिष्य को ऊंचाइयों की ओर ले जाता है कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के भैया बहिनों द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष में गुरुओ को पैन और रुमाल भेट कर सम्मान किया गया इस दौरान भैया बहिनों द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने विचार प्रकट किए गए इस दौरान आचार्य परिवार अंकित चंद्रवंशी पवन कलमोदीया शीतल नागर उमा नागर और मीडिया प्रभारी पंकज राजपूत सहित बड़ी संख्या में भैया बहिन उपस्थित रहे भैयाओ अंत में कल्याणमंत्र कर कार्यक्रम का समापन किया कार्यक्रम का सफल संचालन बहन कृष्णा नागर के द्वारा किया गया।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत,मचा कोहराम

मोहनलालगंज।बहराइच के बौड़ी थाना क्षेत्र के अल्लीपुर निवासी मिकाइल ने बताया वो मोहनलालगंज कस्बे में अपनी पत्नी गुड़िया व दो बेटो मो०आसीफ व मो०शालिम के साथ किराये के मकान में रहकर वेज कबाब पराठे की दुकान चलाता है,मगंलवार की सुबह सात बजे छोटा बेटा मो०शालिम(20वर्ष) उसके साथ दुकान पर गया ओर साफ सफाई के बाद शौच के लिये जाने की बात कहकर रेलवे क्रासिगं की तरफ गया,जहां शौच कर वापसी के दौरान अचानक से तेज स्पीड में आयी ट्रेन की चपेट में आ गया ओर बेटे की मौके पर दर्दनाक मौत हो गयी।उधर से गुजरे लोगो की सूचना के बाद पिता समेत परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया। स्थानीय पुलिस की सूचना के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।देर शाम पोस्टमार्टम के बाद मृतक मो०शालिम का शव परिजन वाहन से लेकर बहराइच स्थित पैतृक गांव को रवाना हुयें।

बारिश के लिए विधि–विधान से कराई मेंढक और मेंढकी की शादी, ढोल बाजे पर झूमकर नाचे बाराती

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। समाज में मान्यता है कि मेंढक की शादी कराने से बारिश होती है. पिछले साल भी मेंढक के विवाह के बाद बारिश हुई थी. निश्चित रूप से इस विवाह के बाद बारिश होगी ।बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश राजगढ़ बोड़ा में लगातार दूसरे साल ऐसा विवाह रचाया गया. दरअसल, क्षेत्र के किसान बारिश नहीं होने से चिंतित हैं. बारिश के लिए प्रकृति पूजा की परंपरा रही है और इसको लेकर समाज विभिन्न तरह के टोटकों का सहारा ले रहे हैं. इसी क्रम में गाजे–बाजे के साथ मेंढक–मेंढकी की शादी ग्रामीणों ने करायी. एक तरफ मेंढक वर बकानी निवासी बना तो दूसरी ओर बोड़ा निवासी ने मेंढकी को दुल्हन की तरह ही सजाया गया. वर पक्ष विधि–विधान के साथ बारात लेकर आया, तो दूसरी ओर मेंढकी के पक्ष की ओर से शादी की सारी रस्में पूरी की गईं.।क्या आपने कभी मेंढक और मेंढकी की शादी देखी है? इसे अंधविश्वास कहे या कुछ और मगर राजगढ़ जिले के बोड़ा, बकानी के गांव मे हिंदू समाज के किसानों ने बारिश होने की कामना को लेकर मेंढक और मेढकी की विधि–विधान से शादी करायी. इसके लिए ढोल बाजे से बारात निकाली गई और खूब नाच गाना भी हुआ. इस शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही हैं. अच्छी बारिश की कामना को लेकर मगंलवार को बोड़ा में ठाकुर मोहल्ला स्थित शिव मंदिर पर समाजसेवियों द्वारा ग्रामवासियों के साथ मिलकर मेढ़क और मेढ़की का विवाह विधी विधान से सम्पन्न कराया। क्षेत्र में बारिश की कमी से किसानो की फसल सूखने लगी थीं। सूखे के हालात बनते जा रहे थे ।

इस सूखे के विकट संकट को देखते हुए ग्रामवासियो द्वारा में मेढक और मेंढकी का रीति रिवाज के साथ विवाह शिव मंदिर परिसर में सम्पन्न कराया। पहले बकानी गांव के ग्रामवासियों ने बकानी से बोड़ा बारात लेके बोड़ा पहुंचे जहा नगर के प्रमुख मार्गो से। बारात निकाली ढोल बाजे और आतिशबाजी के साथ। इसके बाद बकानी से लेके आए बरातियों का तिलक लगाकर वा साफा बांधकर, पुष्प माला पहनाकर और अंग वस्त्र भेट कर स्वागत सत्कार किया। जिसके बाद मेंढक ने तोरण मारा, जिसके बाद बारातियों को पानी,चाय, नाश्ता, कराया गया। जिसके बाद फेरे करवाए गए।

शिव मंदिर में मंडप सजाकर कराई रस्मे।

मन्दिर परिसर में नगरवासियों ने मेंढक और मेंढ़की के विवाह के लिए मंडप सजाया गया। और रीति रिवाज के साथ विवाह की रस्म निभाई । विवाह में वरमाला हुई। कन्या दान किया गया। साथ वचन के साथ सात फेरे संपन्न कराए गए। समस्त नगरवासियों ने ठाकुर मोहल्ला स्थित शिव मंदिर में पहुंच कर प्रसादी का वितरण किया। इस आयोजन में पुर्व नगर परिषद अध्यक्ष कमल सिंह राठौड़भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम राजपूत, श्याम बंसल , नगर परिषद उपाध्यक्ष सतीश पाटीदार, पार्षद राजु भिलाला, उमेश राजपूत, शेलेंद्र सिंह राजपूत, प्रताप सिंह राजपूत, कुमैर सिंह पटेल, कन्हैया काका राजपुत, रामस्वरूप पाटीदार, सन्तोष पाटीदार, संजय राठौर, जमना प्रसाद गांधी, गौरव शर्मा पुजारी बाबू गोस्वामी, पंडित राधेश्याम शर्मा , इंदर सिंह राजपूत,राधेश्याम राजपूत पटेल,आम आदमी पार्टी देविसिंह यादव, सूरज सिंह राजपूत शीतल, नारायण सिंह गांधी, संदर सिंह पटेल, शिव सिंह शिक्षक,मागीलाल, सरजन राजपूत, लक्ष्मीनारायन, किशन सिंह, जगदीश सिंह,बकानी, पवन, कैलाश, हरिसिंह बागड़ी, गणपत, जगदीश गोड, भगवान सिंह, आदि लोग मौजूद थे।

अदभुत देवत्व के धनी योगेश्वर श्रीकृष्ण!

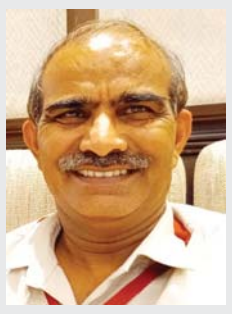

डा श्रीगोपाल नारसन

हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने तरीके से रखकर भागवत कथा सुनाने लगे श्रीकृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र है, जो साहस का चरित्र है,जो ज्ञान चरित्र का है, जो नीति निर्धारक का चरित्र है, जिसमें युद्ध की कला है,उसे सामने नही लाया गया। श्रीकृष्ण के प्रति अहिंसा की बात के पीछे कायरता दिखा दी गई ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व भाद्रमाह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है।प्रायः जन्माष्टमी का त्योहार दो दिन मनाया जाता है। एक दिन गृहस्थ जीवन वाले और दूसरे दिन वैष्णव संप्रदाय वाले जन्माष्टमी मनाते हैं।इसलिए 6 व 7 सितंबर दोनों दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा सकता है। 6 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5250 वां जन्मोत्सव है। श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि 12 बजे मथुरा में हुआ था। इस दिन श्रीकृष्ण भक्त उपवास रखकर श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करते हैं। कंस के बढ़ रहे अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के रूप में आठवां अवतार लिया था।श्रीकृष्ण पूजा का समय 6 सितंबर 2023 को रात्रि 11.57 बजे से 07 सितंबर 2023, प्रातः 12:42 तक है,यानि केवल 46 मिनट की पूजा अवधि है।रात्रि पूजन के लिए श्रीकृष्ण के लिए झूला सजाएं, इसके बाद श्रीकृष्ण को पंचामृत या गंगाजल से अभिषेक करें और फिर उनका श्रृंगार करें। इस दिन श्रीकृष्ण का बांसुरी, मोर मुकुट, वैजयंती माला कुंडल, पाजेब, तुलसी दल आदि से श्रृंगार किया जाता है। इसके साथ ही पूजा में उन्हें मक्खन, मिठाई, मेवे,मिश्री और धनिया की पंजीरी का भोग लगाया जाता है।पूजा में श्रीकृष्ण की आरती जरूर करें।वास्तव में योगिराज श्रीकृष्ण सोलह कला सम्पन्न देवता है, जिन्होंने अपनी सर्वगुण सम्पन्नता से महाविकारी व अत्याचारी शासक कंस का वध किया था।वे महाभारत युद्ध के समय श्रीमद् भागवत गीता के उदभव के लिए खासे चर्चित हुए। श्रीमद्भागवत स्वयं परमात्मा का सन्देश है ,जो अर्जुन को धर्म की रक्षा के लिए दिया गया।श्रीकृष्ण का पूर्ण आभामण्डल ही हर किसी को लुभाता रहा है।उनका मनमोहक स्वरूप,उनकी गीत संगीत से ओत प्रोत ज्ञान मुरली,उनकी प्राकृतिक आपदा के समय गोवर्धन पर्वत के माध्यम से जनसामान्य की मदद करने की घटना ,गरीब मित्र सुदामा का अपने राजमहल मे अतिथि सत्कार करना भक्तों

को इतना भाया कि श्रीकृष्ण को उन्होंने दिलो मे बसा लिया।तभी तो कही लड्डू गोपाल के रूप मे तो कही नटखट गोपाल के रूप मे,कही घनश्याम के रूप मे तो कही कन्हैया के रूप मे श्री कृष्ण विभिन्न कला दिखाते हुए नजर आते है।श्रीकृष्ण जिन्हें पौराणिक दृष्टि से लीलाधर, रसिक, गोपी प्रेमी, कपड़े चोर, माखन चोर और न जाने क्या-क्या लिखा गया है ,की भक्ति मनोरथ पूरा करने वाली है । ब्रह्माकुमारीज व आर्य समाज जैसी संस्थाओं ने हमेशा अपने महापुरुषों को अंधविश्वास से मुक्त करने का काम किया है। लोगों को वास्तविकता का बोद्ध कराया है। योगिराज श्रीकृष्ण के चरित्र को किस तरह से पेश कर कह दिया गया कि उनकी 16 हजार गोपियाँ थी, वे छिपकर माखन व गोपियों के कपडे चुराने जाया करते थे।जबकि इसमें कोई सच्चाई नही है।फूहड़ गीत बना दिए कि मनिहार का वेश बनाया श्याम चूड़ी बेचने आया, अश्लील कथा जोड़ दी कि उनके आगे पीछे हजारों स्त्रियाँ नाचती थी, वो रासलीला रचाते थे यदि कोई हमारे सामने हमारे माता-पिता के बारे में ऐसी टिप्पणी करे तो क्या हम सहन करेंगे? नहीं ना! तो फिर आर्य समाज कैसे सहन करता? ऐसी स्थिति में श्रीकृष्ण के वास्तविक चरित्र को समझना बहुत आवश्यक है श्रीकृष्ण महाभारत में एक पात्र है जिनका वर्णन सबने अपने-अपने तरीके से किया है,सबने कृष्ण के जीवन को खंडो में बाँट लिया सूरदास ने उन्हें बचपन से बाहर नही आने दिया, सूरदास के श्रीकृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते है। रहीम और रसखान ने उनके साथ गोपियाँ जोड़ दी, इन लोगों ने वह श्रीकृष्ण प्रस्तुत नही किया जो शुभ को बचाना, अशुभ को छोड़ना सिखाता है।श्री कृष्ण की बांसुरी में सिवाय ध्यान और आनंद के और कुछ भी नहीं था, पर मीरा के भजन में दुख खड़े हो गये पीड़ा खड़ी हो गयी। हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने तरीके से रखकर भागवत कथा सुनाने लगे श्रीकृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र है, जो साहस का चरित्र है,जो ज्ञान चरित्र का है, जो नीति निर्धारक का चरित्र है, जिसमें युद्ध की कला है,उसे सामने नही लाया गया। श्रीकृष्ण के प्रति अहिंसा की बात के पीछे कायरता दिखा दी गई । स्वामी दयानंद ने कृष्ण के शब्दों को उनकी नीति, उनकी युद्ध कला के रूप में समझायो वास्तव में अर्जुन नाम एक मनुष्य का है,जबकि कृष्ण नाम चेतना का है ,जो सोई चेतना को जगा दे उसी जाग्रत चेतना का नाम कृष्ण है जो अपने धर्म व देश के प्रति आत्मा को जगा दे उसी का नाम श्रीकृष्ण हैपुराणों के चश्मे से श्रीकृष्ण को नहीं समझा जा सकता क्योकि वहां सिवाय मक्खन व कपड़े चोरी के आरोपों के अलावा कुछ नहीं मिलतो मन्दिरों में नाचने से श्रीकृष्ण को नहीं पाया जा सकतो उसके लिए अर्जुन बनना पड़ेगा, तभी श्रीकृष्ण को समझा जा सकता है यह सत्य है श्रीकृष्ण जैसा कोई दूसरा उदहारण फिर पैदा नहीं हुओ यदि स्त्री जाति के सम्मान की बात आये तो कृष्ण जैसा उदहारण नहीं मिलेगा ।श्रीकृष्ण ने हर किसी स्त्री का सम्मान किया। स्त्री जाति भी श्रीकृष्ण का सम्मान करती रही। लेकिन खुद नारी जाति का शोषण करने के लिए योगिराज के महान चरित्र को रासलीला से जोड़ दिया गयो धर्म की बुनियादों में श्रीकृष्ण हमेशा से जीवित है, जिस दिन अंधविश्वास के अंधकार का पत्थर हटेगा, तभी हम श्रीकृष्ण को पा सकेंगे उनके विराट स्वरूप के दर्शन कर सकेंगे। वही समय कलियुग की पूर्णतः समाप्ति व सतयुग के आरंभ का भी समय होगा।यानि श्रीकृष्ण सतयुग का प्रथम पुरुष होगा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

'तैयार हैं हम' का संदेश

दिल्ली में जी-20 के शिखर सम्मेलन के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लंबे इंटरव्यू का एक खास मकसद है। हालांकि इनमें बहुत सारी बातें पुरानी हैं। एकाध बातों को छोड़कर। पर वर्तमान में इसका प्रयोजन भारत की अंगड़ाई लेतीं वैश्विक महत्त्वाकांक्षाओं से देश-दुनिया को साक्षात्कार कराना है। इसके जरिए मोदी 'तैयार हैं हम' का भरोसा भिन्न व्यवस्थाओं से संचालित होने वाले भूगोल और उनमें रहने वाली पूरी मानवजाति को देना चाहते हैं। यह भरोसा भारत की ठोस आर्थिकी, भौतिक-भौगोलिक, वैज्ञानिक एवं जनसांख्यिकीय विलक्षणता का है, जो परम्परागत दूरदर्शिता, गुणवत्ता एवं युवा आबादी की क्षमता-कौशल से भरपूर है। प्राय हर क्षेत्र में इसकी उपलब्धि के निशान हैं। भारत ने वैश्विक संकट-आतंकवाद, कोरोना जैसी महामारी में नुकसान सह कर भी सहायता देने की मानवीय प्रतिबद्धता दिखाई है। जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या पर उसकीसक्रियता ने रास्ता दिखाया है। इसके बावजूद,

दक्षिण एशिया और अफ्रीकी महादेश तक विकसित होने के लिए संघर्षरत हैं। यह केवल एकांगी और विखंड़नवादी यूरोपीय दर्शन से दुनिया को हांकने का नतीजा है। उन्हें बराबरी तक लाने के लिए विकास का जीड़ीपीए आधारित दृष्टि नहीं बल्कि भारत के अविभेदकारी मूल दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' यानी संसार एक परिवार है, के तहत मानवीय दर्शन को अपनाना होगा। इसमें सभी विचारों-दर्शनों के फलने-फूलने की एक सामूहिक विविधता है। संयुक्त राष्ट्र के सम्यक विस्तार की यही उचित दृष्टि होनी चाहिए। भारत इसी बुनियाद पर सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य का दावा करता रहा है। मोदी कहना चाहते हैं कि भारत का रवैया वैश्विक नेतृत्व के मानकों के एकदम अनुरूप है। दुनिया को इस भारत का इस्तकबाल करना चाहिए। जी-२० की वार्षिक अध्यक्षता एवं उसकी मेजबानी एक सुबूत है। खचीर्ला होने के बावजूद भारत में इसका आयोजन उसके कद को और ऊंचा करने के लिए जरूरी है। इंदिरा गांधी के समय हुए गुटनिरपेक्ष सम्मेलन या एशियाड के जरिए यह स्थापित करना था कि भारत सपेरों या भूखे-नंगों का देश नहीं है। लेकिन मोदी अब ह्यजीरो से इसरो तक' में तथ्यों के साथ भारत के नायकत्व की ठोस दावेदारी कर रहे हैं। वे कश्मीर एवं अरुणाचल में चीन की आपत्तियों को साहस से खारिज कर रहे हैं। वहीं, देश को संदेश दे रहे हैं कि यह सब स्थिर सरकार (उनकी) के रहते ही संभव हुआ है। वे युवा आबादी पर दांव लगा कर अगले चुनाव में बाजी पलटने की तैयारी में भी हैं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

बेचैन सत्ता - उत्साहित इंडिया

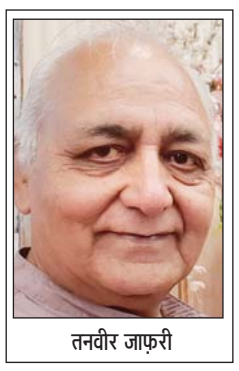

तनवीर जाफ़री

विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक पिछले दिनों मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बार मुंबई में इंडिया गठबंधन की मेजबानी महाराष्ट्र विकास अघाड़ी द्वारा की गयी जिसमें मुख्यतः शिवसेना (उद्धव),राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी शामिल है। जबकि पटना में हुई पहली बैठक की मेजबानी जनता दल यूनाइटेड द्वारा की गयी थी व बंगलौर में हुई दूसरी बैठक कर्नाटक कांग्रेस पार्टी द्वारा आहूत की गयी थी। पटना से मुंबई तक के विपक्षी गठबंधन का अब तक का यह सफर निश्चित रूप से गठबंधन के 26 सदस्यों में परस्पर विश्वास बनाने में सफल रहा है। इंडिया के गठन के बाद सत्ता के गलियारों में मची उथल पुथल स्वयं इस बात का सुबूत है कि 2024 के लोकसभा चुनाव और उससे पूर्व होने जा रहे विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव, स्वयं को अजेय समझने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये नाकों चने चबाने जैसे हालत पैदा करने जा रहे हैं। सत्ता की घबराहट इससे भी पता चलती है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता स्वयं अपने नवगठित राजनैतिक गठबंधन की सफलता या उसकी विशेषता का उतना गुणगान व प्रचार प्रसार नहीं कर रहे जितना कि भाजपा के नेता इसकी आलोचना व निन्दा करने में व्यस्त हैं। यहाँ तक कि सत्ता द्वारा रसोई गैस में की गयी 200 / रुपए प्रति सिलेंडर की कमी जैसे फैसले भी इंडिया के बढ़ते कद के तहत ही लिये बताये जा रहे हैं। गौरतलब है कि जिस भाजपा ने 2014 से लेकर अब तक अपने सहयोगी एन डी ए दलों की बैठक बुलाने की जरुरत महसूस नहीं की थी,इंडिया का गठन होते ही उसे भी एन डी ए की बैठक बुलानी पड़ी। इतना ही नहीं बल्कि विपक्षी गठबंधन इंडिया से घबराई भाजपा अपने विरोधी नेताओं को परेशान करने,उनमें विभाजन पैदा करने उन्हें डराने धमकाने जैसे निकृष्टतम हथकंडे भी अपना रही है। यह सब सत्ता की बेचैनी और बौखलाहट के ही परिणाम हैं।

बहरहाल,पटना में पहली मुलाकात,बंगलौर में गठबंधन का नामकरण और मुंबई में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया के नारे के साथ इस बैठक में तीन मुख्य प्रस्ताव पारित करना गठबंधन की प्रारंभिक सफलता को दशार्ता है। मुंबई बैठक में जहां सीट बंटवारे की प्रक्रिया जल्द ही पूरी करने की बात कही गयी वहीँ इस बैठक में चार समितियां बनाने का फैसला भी किया गया है। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोकसभा का अगला चुनाव जहां तक संभव हो, एक साथ मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। विभिन्न राज्यों में सीट के बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू होगी और विचार-विमर्श की सहयोग वाली भावना के साथ यथाशीघ्र पूरी की जाएगी। हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोगों की चिंता और महत्व के मामलों पर देश के विभिन्न हिस्सों में जल्द से जल्द सार्वजनिक रैलियां आयोजित करने का संकल्प लेते हैं। प्रस्ताव के अंत में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, विभिन्न भाषाओं में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया थीम के साथ अपनी संबंधित संचार और मीडिया रणनीतियों और मुहिमों का समन्वय करने का संकल्प लेते हैं। बैठक के समापन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी सहित अनेक नेताओं ने दोहराया कि - इंडिया गठबंधन बीजेपी को आसानी से हराएगा. उन्होंने कहा - इस मंच पर बैठी सारी पार्टियां यदि एकजुट रहती हैं, तो हमें हराना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन भी है। जैसे जैसे लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है भारतीय जनता पार्टी के लिये परेशानी बढ़ाने वाली कई खबरें भी सामने आ रही हैं। जैसे कि पिछले दिनों विश्व के प्रतिष्ठित समाचार पत्र ह्यद गार्डियनह्ल और ह्यफाइनेंशियल टाइम्सह्ल ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिस में कहा गया है कि टैक्स हैवन्स देश मॉरीशस के दो फंड - इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड (ईआईएफ एफ) और ईएम रीसर्जेंट फंड (ईएमआरएफ) ने 2013 से 2018 के बीच अदानी ग्रुप की चार कंपनियों में पैसा लगाया और इनके शेयरों की खरीद-फरोख़्त भी की। इन फंडस के द्वारा यूएई के निवेशक नासिर अली शाबाना अहली और ताइवान के निवेशक चांग चुंग लींग ने इन कंपनियों में पैसा लगाया था। ये पैसा बरमूडा के इन्वेस्टमेंट फंड ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज के जरिये लाया गया। 2017 में नासिर अली और चांग चुंग लींग के इस निवेश की कीमत लगभग 43 करोड़ डॉलर थी। इस समय इसकी कीमत (मौजूदा एक्सचेंज रेट) 3550 करोड़ रुपये है। जनवरी 2017 में इन दोनों निवेशकों की अदानी इंटरप्राइजेज, अदानी पावर और अदानी ट्रांसमिशन में क्रमशः 3.4, 4 और 3.6 फीसदी हिस्सेदारी थी। दरअसल गौतम अडानी के भाई विनोद अदानी के कहने पर ही नासिर अली और चांग चुंग लींग के फंडस ने अदानी ग्रुप की कंपनियों में जो पैसा लगाया, उससे अदानी ग्रुप की कंपनियों अदानी एंटरप्राइजेज और अदानी ट्रांसमिशन में प्रमोटर ग्रुप (जिसके विनोद अदानी सदस्य थे) की हिस्सेदारी जनवरी 2017 में 78 फीसदी से ज्यादा हो गई।

इसी प्रकार दूसरा गंभीर विषय चीनी घुसपैठ का है। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स देशों की बैठक में भाग ले रहे थे उसी के फौरन बाद चीन के नेचुरल रिसोर्स मिनिस्ट्री की तरफ से 28 अगस्त 2023 को अधिकृत रूप से एक नया नक़्शा जारी किया गया जिसमें भारत के अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को चीनी क्षेत्र दिखाया गया है। इससे पहले इसी वर्ष अप्रैल के महीने में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नाम बदलने की मंजूरी दे दी थी। चीन के इस नए नक़्शे में भारत के उपरोक्त क्षेत्रों के अलावा चीन द्वारा ताइवान और

विवादित दक्षिण चीन सागर को भी चीनी क्षेत्र में शामिल किया गया है। विपक्षी गठबंधन चीन के कुत्सित इरादों से अधिक भारत सरकार द्वारा इस विषय पर अपनायी जा रही उदासीनता व खामोशी को लेकर चिंतित है। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने लद्दाख तथा पेंगोंग झील का एक सप्ताह का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र में चीनी घुसपैठ की हकीकत से देश को आगाह किया। इसका जिक्र उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद भी किया। गोया विपक्ष द्वारा अगले चुनावों में जहां मंहगाई,बेरोजगारी,भ्रष्टाचार व साम्प्रदायिकता जैसे मुद्दे सत्ता को घेरने के लिये उठाये जायेंगे वहीँ चीनी घुसपैठ और अडानी जैसे चंद उद्योगपतियों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला संरक्षण भी सत्ता के लिये बड़ा सिर दर्द साबित होने जा रहा है। इसीलिये जहाँ सत्ता की बेचैनी बढ़ती जा रही है वहीं इंडिया घटक दलों का उत्साह बढ़ता जा रहा है।

उत्तर प्रदेश : विधान सभा का बदलता स्वरूप

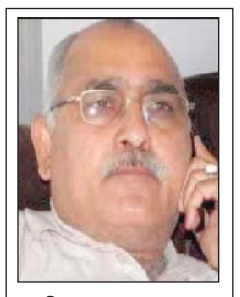

विजय शंकर पंकज

उत्तर प्रदेश विधान सभा, भारत की ऐतिहासिक धरोहरों में से एक विशिष्ट भवन है। इस विशाल और शानदार इमारत के अब से 5 वर्ष बाद 2028 में इसके निर्माण के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे।

इतनी अवधि पूरे होने के बाद भी इमारत की मजबूती और भव्यता शान से अपने इतिहास की गौरव गाथा बताती है।

पिछले कुछ वर्षो में भवन की आंतरिक साज-सज्जा में काफी बदलाव किया गया है। इस सजावट और आकषर्ण के चक्कर में मूल भवन की मजबूती के कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है। बहुत कम लोगों को जानकारी होगी और यह जानकर आश्चर्य होगा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा कही जाने वाली वर्तमान मूल भवन का जब निर्माण कार्य पूरा हुआ तो इसकी कुल लागत मात्र 21 लाख रु पए थी, जबकि आज इस भवन के रखरखाव और साज-सज्जा के नाम पर प्रति वर्ष 100 से 150 करोड़ रु पए का खर्च हो रहा है। ब्रिटिश सरकार के निर्देश में तत्कालीन गवर्नर सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर ने 15 दिसम्बर 1922 को विधान भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा। इस भवन के निर्माण के वास्तुकार सर स्वीनन जैकब और हीरा सिंह थे। यह बिल्डिंग

ब्रिटिश एवं भारतीय निर्माण व वास्तु कला के मिशण्रकी अद्भुत देन हैं। इसका निर्माण मेसर्स मार्टिन एंड कंपनी ने किया था। इसके पूर्व तत्कालीन संयुक्त प्रांत की राजधानी 1922 तक इलाहाबाद में थी। 1922 में ब्रिटिश सरकार ने इलाहाबाद से हटाकर लखनऊ को राजधानी बनाया और विधान भवन के निर्माण का प्रस्ताव हुआ। बटलर ने 4 अगस्त 1923 को भवन निर्माण की नींव रखी। 5 वर्ष में इस भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद 21 फरवरी 1928 को बटलर ने ही इसका उद्घाटन किया। गवर्नर हरकोर्ट बटलर तब आज की बटलर कालोनी की एतिहासिक कोठी में रहते थे। इस कोठी की शान यहां की शानदार झील थी। आज इस इलाके में कई शानदार सरकारी कोठिया तथा बंगले बन गए हैं।

विधान सभा का इतिहास

ब्रिटिश शासन में पहली बार एम.एन. राय ने 1934 में संयुक्त राज्य-आज के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड-के लिए विधान सभा के गठन का विचार प्रस्तावित किया। इसके बाद तत्कालीन कांग्रेस पार्टी ने 1935 में विधान सभा की मांग उठाई। कांग्रेस की मांग थी कि विधान सभा में जनता की समस्याओं के साथ ही उनकी आवाज उठाई जा सकती है। कांग्रेस की मांग पर 1940 में ब्रिटिश संसद ने कैबिनेट मिशन योजना के तहत घटक विधान सभा के चुनाव कराने की अनुमति दी। ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत संयुक्त प्रांत के लिए सदस्यों की संख्या 228 निर्धारित की गई। इसका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया। संयुक्त प्रांत विधान सभा का गठन 1 अप्रैल 1937 को किया गया। 31 जुलाई 1937 को संयुक्त विधान सभा के सभापति तथा उप सभापति का निर्वाचन किया गया। पुरुषोत्तम दास टंडन सभापति और अब्दुल हलीम उप सभापति बने।

संयुक्त प्रांत विधान सभा के सदस्य के रूप में तत्कालीन कई बड़े राजनेता शामिल रहे। इसकी कार्य संचालन नियमावली और सदन के निदेर्शों को लेकर ब्रिटिश सरकार जब तब विरोध करती रही, जिसके कारण कुछ सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। आजादी के बाद 3 नवम्बर 1947 को संयुक्त प्रांत की नई विधान सभा का गठन किया गया। 4 नवम्बर 1947 की पहली बैठक में विधान सभा की कार्यवाही एवं संचालन नियमावली बनाई गई। विधान सभा की कार्यवाही के लिए हिंदी भाषा को अनिवार्य किया गया। तब के संयुक्त प्रांत में रामपुर और टिहरी गढ़वाल जैसी बड़ी रियासतें थी। 25 जनवरी 1950 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयास से इन रियासतों को मिलाकर संयुक्त प्रांत को उत्तर प्रदेश बना दिया गया। पंडित गोविंद वल्लभ पंत इसके पहले मुख्यमंत्री बने।

वर्तमान विधान सभा 18वीं है। इसके अध्यक्ष सतीश महाना है। वैसे विधा सभा के आंतरिक साज-सज्जा को लेकर दशकों से कम चल रहा है। 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद इस दिशा में काफी तेजी आई है। विधान भवन के द्वितीय तल के गलियारे की साज-सज्जा एवं खूबसूरत लाइटिंग दर्शकों को आकर्षित कर रही है, तो इनके फर्श के रंग बिरंगे पत्थर चार चांद लगा रहे हैं। प्रथम तल पर प्रवेश द्वार के गलियारे में लगाई गई बड़ी-बड़ी इलेक्ट्रानिक स्क्रीन चकाचौंध पैदा कर रही है। ई वीथिका से विधान सभा के इतिहास से लेकर अन्य जानकारियों की अनमोल धरोहर को संजोया जा रहा है। देश की बड़ी लाइब्रेरी में शामिल विधान सभा लाइब्रेरी का डिजीटलाइजेशन किया जा रहा है। विधानसभा का मुख्य मंडप अलग ही छटा बिखेर रहा है। अब हर विधानसभा सदस्य की सीट पर टैबलेट लगे हैं। पूरी विधान सभा की कार्यवाही डिजिटल हो गई है। विधान भवन के बाहरी हिस्से की लाइटिंग के लिए नई एलईडी लाइट लगाई गई है। इस साज-सज्जा से विधान भवन के बाहरी से लेकर अंदरूनी हिस्से का स्वरूप ही बदल गया है।

टीकाकरण को लेकर ब्लॉक रिस्पाँस टीम को दिया गया प्रशिक्षण

सघन मिशन इंद्रधनुष का दूसरा चरण 11 से 16 सितम्बर तक होगा आयोजित

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ शहर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 के दूसरे चरण का शुभारम्भ 11 सितंबर से शुरू हो 16 सितंबर तक चलेगाद्य मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान एवं यूनिसेफ के सहयोग से मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में ब्लॉक रिस्पॉन्स टीम का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान 5.0 तीन चरणों में चलाया जा रहा है। इसका पहला चरण सात से 12 अगस्त तक आयोजित किया जा चुका है इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल ने कहा कि

कुछ परिवार ऐसे हैं जो बच्चों का टीकाकरण नहीं करवाते हैं जिसके कारण शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए ब्लॉक स्तर पर बीआरटी गठित की गई है, जो ऐसे घरों का भ्रमण करती है जो कि बच्चों का टीकाकरण करवाने का विरोध करते हैं। टीम ऐसे घरों का भ्रमण कर परिवार को मोबिलाइज करते हुए टीकाकरण करवाने का प्रयास करती है इसलिए नियमित टीकाकरण में बीआरटी की भूमिका अहम है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा.ए.पी. मिश्रा ने कहा कि टीकाकरण न करवाने वाले परिवारों को चिन्हित करते हुए सूची बनाएं और उनके घर का भ्रमण कर उन्हें टीकाकरण से होने वाले लाभों के बारे में बताएं। इसके लिए ऐसे बच्चों के अभिभावकों की मदद ले सकते हैं जिन्होंने अपने बच्चे का पूर्ण टीकाकरण करवाया होद्य इसके साथ ही परिवार के पड़ोसियोंएवं दोस्तोंया स्थानीय बुजुर्ग या धार्मिक गुरु की सहायता भी ले सकते है। हमें ऐसे परिवारों को राजी करना बहुत ही जरूरी है, क्योंकि एक तो इसके कारण ही शत प्रतिशत टीकाकरण नहीं हो पा रहा है दूसरे बच्चे खसरा और रूबेला जैसी बीमारियों के चपेट में आ सकते हैं जो कि संक्रामक हैं। यह बीमारी अन्य बच्चों को भी प्रभावित कर सकती है। इस मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और यूएनडीपी के प्रतिनिधि और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

महाविद्यालय में शिषक्षक दिवस मनाया जाकर, गोदग्राम में विविध विषयों व योजनाओं की दी जानकारी

पचोर (हरीश भारतीय) खबर दृष्टिकोण। वीर सावरकर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पचोर द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत म.प्र.शासन उच्चशिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में की अध्यक्षता में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाकर विद्यार्थियों को उनके जीवन से संबंधित षिक्षाप्रद संबोधन दिया जाकर अनुसरण करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया साथ ही महाविद्यालय द्वारा लिए गए गोदग्राम अताईखेड़ा में 5 सितंबर को प्राथमिक विद्यालय अताईखेड़ा में गोदग्राम नोडल अधिकारी प्रोफेसर दिनेशचंद भूरिया ने विभिन्न विषयों व विभिन्न गतिविधियों से स्कुल के छात्र–छात्राओं शिक्षकों व ग्रामीणजनो को अवगत कराया साथ ही शिक्षक दिवस प्राथमिक बच्चो के साथ में मनाया जाकर उन्हे विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। एनएसएस नोडल अधिकारी प्रोश्रीराम जटिया द्वारा एनएसएस से संबंधित विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया

विद्यार्थियोंव पालकगणोंको प्रेरित किया साथ ही महाविद्यालय स्तर पर होनें वाली गतिविधियों में भाग लेने हेतु पालकों को अपने बच्चों को शामिल करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम मेंमहाविद्यालय अतिथि विद्वान जाकर गतिविधियों में शामिल हेतु ब्रजेश कुमार शाक्यवार व डॉ. नीरज कुमार बरोलिया ने भी सहभागिता की।आजादी केअमृत महोत्सव कार्यक्रम के समापन समारोह मेंपंचायत सचिव सिद्वनाथ अहिरवार सहित शिक्षकगण, छात्र–छात्राऐं व गांव के आमजन सम्मिलित हुए।

इकलौते बेटे का इलाज कराने गये पिता की नहर में डूबकर मौत, मचा कोहराम

मोहनलालगंज।निगोहां के मगटईया गांव में कृषि विभाग से रिटायर्ड बुजुर्ग दिलीप सिहं(75वर्ष)अपनी पत्नी शोभा सिहं व इकलौटे बेटे अनुराग सिहं व बहू के साथ रहते थे,पत्नी शोभा सिहं ने बताया बेटे अनुराग को कई दिनो से तेज बुखार आ रहा था जिसके चलगे उसकी तबीयत बिगड़ गयी थी,जिसे इलाज के लिये पति दिलीप सिहं ने बीते सोमवार की सुबह मोहनलालगंज के हरकंशगढी में स्थित विद्या हास्पिटल में एडमिट कराया था,जहां दोपहर बाद अस्पताल से बाहर निकले पति अचानक से सदिग्धं परिस्थितियों में लापता हो गये,काफी खोजबीन के बाद पता

ना चलने पर पुलिस से लिखित शिकायत कर तलाशने की गुहार लगायी,जिसके बाद चौकी इंचार्ज ने हास्पिटल पहुंचकर सीसीटीवी कैमरो की फुटेज चेक की तो 3:45 बजे के करीब हास्पिटल के मुख्य गेट से बाहर निकले पति नहर की तरफ पेशाब करते दिखे ओर इस दौरान संतुलन बिगड़ने से नहर के गहरे पानी में गिर गये ओर डुबने से उनकी मौत हो गयी।जिसके बाद नहर से पुलिस ने मृतक बुजुर्ग दिलीप सिहं का शव बाहर निकलवाकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में नहर किनारे पेशाब करने के दौरान सतुंलन बिगड़ने से नहर के गहरे पानी में गिरकर मौत की बात सामने आयी है,परिजनो से पुछताछ में पता चला है मृतक बुजुर्ग को मिर्गी की बीमारी भी थी।

भाजपा विधायक ने इंजीनियर छात्र–छात्राओ को बांटे मुफ्त टैबलेट

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज के बिन्दौवा गांव में स्थित तिरूपति कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में मगंलवार को स्वामी विवेकानंदघ युवा सशक्तिकरण योजना के तहत छात्र–छात्राओ को मुफ्त टैबलेट वितरित कियें गयें।मुख्य अतिथि भाजपा विधायक अमरेश कुमार रावत ने कालेज के चेयरमैन डा०प्रभात त्रिपाठी व निदेशक आशुतोष शर्मा की मौजूदगी में छात्र–छात्राओ को टैबलेट वितरित कियें।मुख्य अतिथि अमरेश कुमार ने छात्र–छात्राओ को सम्बोधित करते हुये कहा प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गयी विवेकानंद सशक्तिकरण योजना युवाओ को तकनीकी रूप से मजबूत बनाती है,डिजिटल साक्षरता के दौर में

टैबलेट व स्मार्टफोन छात्रो के लिये काफी उपयोगी है।इस मौके पर भाजपा युवा नेता व प्रधान अभय दीक्षित,सह निदेशक मोनिका शर्मा,फार्मेसी प्रधानाचार्य डा०आशुतोष यादव,इंजीनियर प्रधानाचार्य अविनाश कुमार पाल,मनीष चौधरी समेत छात्र–छात्राये मौजूद रही।

हापुड़ घटना से नाराज वकीलो ने पुलिस प्रशासन का फूंका पुतला,जमकर की नारेबाजी

मोहनलालगंज।हापुड़ में पुलिस द्वारा अधिक्ताओ की बुरी तरह पिटाई व संगीन धाराओ में मुकदमा दर्ज करने से पूरे प्रदेश में अधिक्ताओ में गुस्सा व आक्रोश है ओर वो हड़ताल पर चले गये है,मगंलवार को मोहनलालगंज तहसील में बार एसोसिएशन अध्यक्ष कौशलेन्द्र शुक्ला व महामंत्री रामलखन की अगुवाई में आक्रोशित सैकड़ो की संख्या में अधिक्ताओ ने पुलिस प्रशासन के विरूद्ध नारेबाजी करते हुये मोहनलालगंज तहसील गेट के सामने लखनऊ–रायबरेली हाइवे पर पुलिस प्रशासन का पुतला फूंका।महामंत्री राम लखन ने बताया हापुड़ में अधिक्ताओ पर लाठीचार्ज कर बुरी तरह पिटाई की घटना बहुत ही निंदनीय है,अधिक्ताओ पर लिखा गया मुकदमा तत्काल खत्म करने के साथ ही दोषी पुलिसकर्मी पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्यवाही समेत वहा के डीएम व एसपी को तत्काल हटाया जाये ओर अधिक्ताओ की सुरक्षा की दृष्टि से प्रदेश सरकार तत्काल अधिक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें।इस मौके पर पूर्व बार अध्यक्ष श्रवण यादव,शिव अटल सिहं,अमरेन्द्र प्रताप सिहं,विनय शुक्ला,उमेश तिवारी,सजंय द्विवेदी,हिमांशु तिवारी,ज्ञानेन्द्र सिहं,सौरभ सिहं,केपी यादव समेत सैकड़ो की संख्या में अधिक्ता मौजूद रहें।

किशोरी को अगवा कर गैगरेंप व हत्या के प्रयास के तीन आरोपी गिरफ्तार,भेजा जेल

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के मजदूर की नाबालिक बेटी को नौ दिन पहले बाजार से लौटते समय घर छोड़ने के बहाने दो बाइक सवार तीन युवको ने अगवा कर सूनसान स्थान पर ले जाकर नशीला पदार्थ सूंघाकर गैगरेप करने के 24घंटे बाद पीड़ित किशोरी को बेहोशी की हालत में उसके गांव के बाहर पेड़ में रूपट्टे के सहारे लटकाकर हत्या का प्रयास किया था,विफल होने पर किशोरी को एक घर के पास फेककर फरार हो गये थे।लापता होने के दूसरे दिन रात को किशोरी के मिलने के बाद मजदूर पिता ने पुलिस को सूचना दी,जिसके बाद होश में आने पर अपने साथ हुयी हैवनियत की घटना बया की थी,लेकिन गैगरेंप जैसे बड़े मामले में लापरवाह बनी कनकहा चौकी पुलिस ने पीड़ित पिता से मनमाफिक

तहरीर लेकर अगवा करने की धारा में तीन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया था,जिसकी जानकारी पीड़ित किशोरी के पिता को हुयी तो अपने जानने वालो से पूरी घटना बताकर न्याय की गुहार लगायी,समाचार पत्रो ने किशोरी के साथ हुयी गैगरेंप की घटना को प्रमुखता से लिखा तो पुलिस के सुर बदले ओर उसने पीड़िता के बयान के बाद मुकदमें में धाराओ को बढाने की बात कही थी,लेकिन नाराज मजदूर पिता ने पीड़ित बेटी संग पुलिस कमिश्नर से मिलकर शिकायत कर आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही समेत बेटी के साथ हुयी गैगरेंप की घटना को छुपाने में लगे पुलिसकर्मियों पर भी कार्यवाही की मांग की थी,पुलिस कमिश्नर से शिकायत के बाद पुलिस के सूर बदले ओर उसने पीड़िता के घर पहुंचकर दर्ज कराये गये बयान के आधार पर गैगरेंप,हत्या के प्रयास,अपहरण,पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर आरोपी अनिल कुमार व विशाल निवासी रानीखेड़ा मजरा बैरीसालपुर थाना मोहनलालगंज व करन निवासी मवई थाना मवई जनपद अयोध्या हालपता निगोहां को मगंलवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया,जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

आम जन को मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया आदि संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं उपचार हेतु सलाह

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया आदि संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए निम्न सावधानिया रखना चाहिए। नगर ६ ग्राम एवं घरों के आसपास एकत्रित पानी के निकासी कि व्यवस्था कि जाए निकासी संभव न हो तो जमा हुए पानी के उपर तेल या जला हुआ आईल डाले, मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया का मच्छर साफ पानी में पैदा होता है अतः घर के अन्दर एवं बहार रखी हुई पानी कि टंकी, मटके, कुलर एवं अन्य बर्तनों में पांच दिवस से अधिक पानी भर कर न रखे, पानी के सभी बर्तनों को नियमित साफ–सफाई कर पुर्णता ढक कर रखे, खाना बनाने परोसने व खाने के पहले हाथ साफ पानी व साबुन से अच्छी तरह धोवे, रात को सोते समय मच्छर दानी का उपयोग करें, बचाव हेतु पुरी बाहों के एवं ऐसे कपडे पहने जो शरीर को पुरा ढक कर रखे, पुराने टायरों मटके, कुलर, टंकियों आदि समानों में यदि पानी जमा होता है तो उसे तत्काल खाली कर सुखाया जाये, बचाव के उपरांत भी यदि किसी को बुखार आता है तो तत्काल ग्राम कि आशा ६ स्वा. कार्यकर्ता ६ सीएचओ ६ मेडिकल आफीसर से सम्पर्क कर उपचार हेतु निकटतम स्व्वा. केन्द्र पर पहुचें, सब्जियों व फलों को साफ पानी से धोने के बाद ही उपयोग करें। सब्जियों व फलों को साफ (धूले हुए) चाकू से काटे तथा घर एवं शौचालय को स्वच्छ रखें। मुख्य्य चिकित्स्या एवं जिला स्व्वास्थ्य्य अधिकारी डॉ. किरण वाडीया ने बताया कि आई.डी. एस.पी. के अंतर्गत जिला स्तर पर संकामक एवं महामारी संबंधी बीमारियों के प्रभावी नियंत्रण एवं सतत निगरानी की जाती है।कलेक्टर हर्ष दीक्षित के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिले में संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण हेतु 12 काम्बेट टीमों का गठन एवं काल सेंटर का गठन किया गया है, जो कि किसी भी क्षेत्र में उल्टी–दस्त, पीलिया, बुखार, मलेरिया, डेंगू, स्वाइन फ्लू आदि बीमारियों की फैलने की सूचना प्राप्त होते ही प्रभावी क्षेत्र का दौराकर प्रतिबन्धात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर कॉल सेंटर की स्थापना की गई है। अतः किसी भी क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने की सूचना तत्काल अंकित दूरभाष नम्बर पर दी जा सकती है।साथ ही जिला एवं ब्लाक स्तरीय सेंटर में जिला मुख्य्यालय राजगढ में डॉय एल.पी. भकौरिया मो.न. 7470820887, डॉ. महेन्द्रपाल सिंह मो.न. 9300881662, डॉ. डी.पी. पटेल मो.न. 8717670111, ब्लाक जीरापुर काम्बेट टीम में डॉ. मनोज गुप्ता मो.न. 8305692849, ब्लाक खुजनेर में डॉ. एस.के. मित्व्तल मो.न. 9425443537, ब्लाक खिलचीपुर में डॉ. के.एन. मिलवारे मो.न. 9179782220, ब्लाक ब्व्यावरा में डॉ. एस.सी. अहिरवार मो.न. 9229902844, ब्लाक नरसिंहगढ़ में डॉ. राजेन्द्र अहिरवार मो.न. 9424707734 तथा ब्लाक मुख्य्यालय जीरापुर में डॉ. डी. बडोदिया मो.न. 8989117526 पर सम्पर्क कर सकते है। रेपिड रिस्प्पांस टीम एवं काम्बेट टीम जिले के किसी भी क्षेत्र में सूचना प्राप्त होने पर तत्काल रोकथाम एवं नियंत्रण की कार्यवाही करेंगी।

जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति में पूर्व जज को भी जोड़ा गया

लखनऊ (संवाददाता)। हापुड़ में पुलिसकर्मियों द्वारा वकीलों पर लाठीचार्ज की जांच को लेकर बनाई गई तीन सदस्यीय समिति में फैमिली कोर्ट के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश हृदयनाथ पांडेय को भी जोड़ा गया है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय ने दी। प्रकरण की जांच के लिए पहले मेरठ कमिश्नर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था जिसमें आईजी मेरठ और डीआईजी मुरादाबाद शामिल थे। अब चार सदस्यीय समिति घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। उधर, हापुड़ की घटना को लेकर उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के आह्वान पर लखनऊ सहित प्रदेश भर में वकीलों ने अदालती कार्य नहीं किया। लखनऊ बार के महासचिव के नेतृत्व में सीएम को डीएम के जरिये ज्ञापन देकर हापुड़ के डीएम–एसपी का तुरंत स्थानांतरण किए जाने, लाठीचार्ज के दोषी पुलिसवालों पर केस दर्ज करने, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तुरंत लागू करने व घायलों को मुआवजे की मांग की। वकीलों ने धरने के बाद बैठक की।

संघ की समन्वय बैठक 14 से पुणे में यूपी से शामिल होंगे पदाधिकारी, लोकसभा चुनाव पर होगी चर्चा

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक 14–16 सितंबर तक महाराष्ट्र के पुणे में होने जा रही है। इसमें आनुषांगिक संगठनों के कामकाज के विस्तार के साथ ही लोकसभा चुनाव में उनकी भूमिका पर भी मंथन की संभावना है। यूपी से संघ और वैचारिक संगठनों के अखिल भारतीय और क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारी बैठक में शामिल होंगे। यूं तो आरएसएस की समन्वय बैठक प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। बीते वर्ष यह बैठक छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित हुई थी। लेकिन आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में संघ के सर संघचालक मोहनराव भागवत, सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सर कार्यवाह कृष्णगोपाल, अरुण कुमार, डॉ. मनमोहन वैद्य, डॉ. कृष्ण गोपाल, सीआर मुकुंद, रामदत्त शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और महामंत्री संगठन बीएल संतोष भी शामिल होंगे।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

मेरे पिता मेरे पहले और आखिरी शिक्षक हैं: लव सिन्हा शिक्षक दिवस पर पिता शत्रुघ्न सिन्हा के योगदान को लेकर भावुक हो गए!

खबर दृष्टिकोण।

लव सिन्हा भारतीय मनोरंजन उद्योग में एक ऐसे अभिनेता और कलाकार हैंजिनका दिल और दिमाग सही जगह पर है। वह वर्तमान में गदर 2 में अपनी सफल उपस्थिति से उत्साहित हैं। एक कैमियो होने के बावजूद, लव को उनकी आवाज और ऑन–स्क्रीन उपस्थिति के लिए बहुत सराहना मिली और हमें वास्तव में यह पसंद आया। जबकि हम सभी एक अभिनेता के रूप में लव की क्षमता से अवगत हैं, साथ ही हम ऑफस्क्रीन उनके कार्यों का सम्मान भी करते हैं। अपनी जड़ों से जुड़े हुए और विनम्र होने से लेकर समाज में कल्याण लाने के लिए अपना योगदान देने तक, वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। हालाँकि, बहुत से लोग शायद इस बात से वाकिफ नहीं हैं कि इनमें से कई तथ्य उनके महान पिता शत्रुघ्न सिन्हा से जुड़े हुए हैं। लव हमेशा अपने पिता का बहुत सम्मान करते रहे हैं और अभिनय से लेकर जीवन में कई नैतिक मूल्यों तक, उन्होंने यह सब अपने पिता से ही सीखा है। उनके पिता वास्तव में उनके सबसे खास शिक्षक और गुरु रहे हैं और यही कारण है कि, आज शिक्षक दिवस के अवसर पर, लव अपने पिता से वर्षों से मिले प्यार, समर्थन और मार्गदर्शन से अभिभूत हैं। उन्होंने आगे कहा, शिक्षक दिवस बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि आपका शिक्षक आपका मार्गदर्शन करता है और उस समय आपके लिए नींव तैयार करता है जब गलत मार्गदर्शन आपको गलत रास्ते पर ले जा सकता है। साथ ही, जीवन के बारे में आपकी शिक्षा और समझ कम उम्र में ही शुरू हो जाती है जब आप चीजों को संसाधित करने और अकेले निर्णय लेने के लिए बहुत परिपक्व नहीं होते हैं। इसलिए किसी भी व्यक्ति के जीवन में शिक्षक का योगदान बहुत बड़ा होता है। किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह, मैं भी उन शिक्षकों का आभारी हूं जिनके साथ मैं अपने स्कूल और कॉलेज के दौरान जुड़ा रहा हूं। हालाँकि , मेरे लिए, मेरे सबसे खास शिक्षक

मेरे पिता हैं। जीवन के महत्वपूर्ण पाठों से लेकर मुझे जीवन का मूल्य समझने और अच्छे कर्म करने तक, मैंने सब कुछ उनसे सीखा है। इतना ही नहीं, वह एकमात्र व्यक्ति हैं जिनसे मैंने अभिनय की शिक्षा ली है। दरअसल, मैं अब भी उनसे अभिनय की शिक्षा लेता हूं और उनसे सीखता रहता हूं। लव सिन्हा आज इतने अच्छे इंसान हैं, इसके पीछे वह बड़ी वजह हैं और मैं उनका बहुत आभारी हूं। वह जीवन में मेरे पहले और आखिरी शिक्षक हैं। आपसे प्यार करता हूँ पिता जी। उन्होंने यह कहकर बातचीत का अंत किया, मेरे सभी दोस्तों, प्रशंसकों और शुभचिंतकों को शिक्षक दिवस की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। भगवान आप सभी का भला करे। काम के मोर्चे पर, लव सिन्हा जल्द ही दिलचस्प काम की घोषणा करने वाले हैं। इस पर अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

सनी देओल को नहीं पसंद बेटा राजवीर देओल बने एक्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनी देओल ने लंबे वक्त बाद सफलता का स्वाद चखा है। उनकी फिल्म गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा तूफान लाया कि हर तरह एक्टर के चर्चे हो रहे हैं। नया– पुराना दोस्त हो या दुश्मन हर कोई उनसे जुड़ना चाह रहा है। हालांकि, एक्टर अपने बेटे राजवीर देओल को इस लाइमलाइट की दुनिया से दूर रखना चाहते हैं। राजवीर देओल जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। बीते दिन उनकी पहली फिल्म दोनों का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर लॉन्च के इवेंट पर राजवीर ने खुलासा किया कि सनी देओल उनके हीरो बनने के फैसले के खिलाफ थे। सनी चाहते थे कि राजवीर पढ़ाई करें और आगे बढ़े, क्योंकि बॉलीवुड की दुनिया के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। कभी सिर चढ़ती सफलता है, तो कभी काम मिलना भी मुश्किल है। राजवीर देओल ने कहा, आप एक पल के लिए खुश होते हैं और फिर काम न मिलने से दुखी होते हैं। मेरा मतलब है कि पापा को 22 साल बाद हिट (गदर 2) मिली। इसलिए वे परेशान थे, क्योंकि यह मानसिक रूप से बहुत थका देने वाली चीज है, लेकिन मुझे एक्टिंग से प्यार है। मैं इससे कभी भी परेशान नहीं हो सकता। अब भी वो चाहते हैं कि मैं कुछ और कर रहा होता।

दोनों में सनी देओल के बेटे राजवीर देओल के साथ पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा भी डेब्यू कर रही हैं। दोनों फिल्म में लीड रोल में हैं। फिल्म का डायरेक्शन सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश एस. बड़जात्या कर रहे हैं। दोनों उनकी भी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म है। फिल्म 5 अक्टूबर 2023 को रिलीज होगी। दोनों की कहानी की बात करें तो ये देव (राजवीर देओल) और मेघना (पालोमा) के इर्द– गिर्द घूमती है। दोनों की मुलाकात एक डेस्टिनेशन वेडिंग के दौरान होती है। देव लड़कीवालों की और मेघना लड़केवालों की तरफ से है। कहानी में ट्विस्ट ये कि देव अपनी बेस्ट फ्रेंड से प्यार करता है, लेकिन वो 10 सालों से उससे ये बता नहीं पाया।

निक्की तंबोली एक विशेष शूटिंग के लिए दिल्ली रवाना

खबर दृष्टिकोण।

निक्की तंबोली एक ऐसी दिवा हैं जो कामुकता और आकर्षण को सही और वास्तविक अर्थों में व्यक्त करती हैं। हर बार जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑन–स्क्रीन पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है, तो हम वास्तव में वास्तव में गर्मी और तपिश महसूस करते हैं। पोज देने और हॉट फोटोशूट कराने की कला उनके खून में है और ऐसा हम कई मौकों पर देख चुके हैं। वर्षों से उनकी लगातार कड़ी मेहनत और प्रयासों के सौजन्य से, उन्होंने सफलतापूर्वक समृद्धि का जीवन और श्दूध और शहदश के लायक समय अर्जित किया है।वह जल्द ही अपनी आगामी रिलीज श्पपी लवश के साथ ओटीटी की दुनिया पर छाने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही, उनकी अन्य शूटिंग और कार्य प्रतिबद्धताएं भी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, जिन पर वह वर्तमान में ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त हैं। दिवा ने हाल ही में एक विशेष कार्य शूट के लिए नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी और अपने प्रशंसकों के साथ अपने दिन के बारे में दिलचस्प झलकियाँ साझा कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ इंस्टाग्राम स्टोरी साझा कीं, जहां वह एक रानी की तरह अपनी सुंदरता और अनुग्रह को अपनाती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं, हम उसे अपने नाखूनों के प्रति विशेष प्यार दिखाते हुए भी देखते हैं, क्योंकि वह अपने शो से पहले अपने ग्रूमिंग सेशन का आनंद लेती है। अपने शूट के बारे में वह कहती हैं,ष्खेर, मुझे दिल्ली आना बहुत पसंद है। मैं यहां एक बहुत ही विशेष शूट के लिए आयी हूं और मैं यहां अपने हर समय का आनंद ले रही हूं। मैं समझती हूं कि मेरे शूट के विवरण के बारे में पूछताछ और जिज्ञासा की भावना है, लेकिन यह सब आदर्श समयरेखा के अनुसार, बहुत जल्द ही सामने आ जाएगा । मैं इस काम की शूटिंग के लिए पूरी तरह से उत्साहित हूं। फिंगर क्रॉसड।ष काम के मोर्चे पर, निक्की तंबोली 'पपी लव' के साथ ओटीटी मेंअपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जहां वह एक पंजाबी एनआरआई लड़की की प्रमुख भूमिका निभाएंगी। इस तथ्य को देखते हुए कि पूरी कहानी उनके चरित्र के इर्द–गिर्द घूमती है, उनके प्रशंसक विशेष रूप से उत्साहित हैं। आप सभी रिलीज के लिए कितने उत्साहित हैं? हमें नीचे टिप्पणी अनुभाग में अपने सभी विचार बताएं और अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

मेरे अंदर का अभिनेता बहुमुखी प्रतिभा के इस चरण का सबसे अधिक आनंद ले रहा है"

खबर दृष्टिकोण।

ही एक बहुमुखी और प्रतिभाशाली अभिनेता रहे हैं। जैसा कि उन्होंने स्वयं कई साक्षात्कारों में कहा है, उन्होंने कोविड–19 महामारी के बाद ऐसी भूमिकाएँ निभाने का सचेत निर्णय लिया जो उनकी आंतरिक क्षमता को चुनौती देती हैं। और खैर, उनकी निर्णय लेने की क्षमता के साथ उनके समर्पण ने उन्हें बच्चन पांडे, राणा नायडू और गदर 2 जैसी कई हिट फिल्में दीं। इतना ही नहीं, इस आकर्षक अभिनेता को राणा नायडू में प्रिंस की भूमिका के लिए के लिए दो विशेष पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। और उसके बाद से, गदर 2 के बारे में उनकी अभिव्यक्ति वास्तव में सच हो गई है।प्रतिष्ठित फिल्म, कलाकारों और कहानी के पैमाने को देखते हुए, गौरव को हमेशा विश्वास था कि गदर 2 सिनेमाघरों में एक जबरदस्त ब्लॉकबस्टर होगी और परिदृश्य बिल्कुल वैसा ही हुआ। कर्नल देवेन्द्र रावत की उनकी भूमिका के लिए उन्होंने उद्योग, दर्शकों और यहां तक कि सेना से भी प्रशंसा अर्जित की और वह इस सभी के लिए योग्य भी है। हालाँकि, जो कुछ भी चमकता और दिखाई देता है वह बाहरी दुनिया को पता है, बहुत से लोग शायद इस 500 करोड़ की ब्लॉकबस्टर फिल्म में खुदका योगदान देने के लिए उनके द्वारा की गई कड़ी मेहनत के बारे में नहीं जानते हैं। 9 किलो वजन बढ़ाने, प्रशिक्षण लेने और वास्तविक जीवन के सेना अधिकारियों के साथ रहने से लेकर बिना किसी सुरक्षा सहायता और सुरक्षा के एक असली टैंक के साथ एक सनसनीखेज स्टंट करने तक, उन्होंने सचमुच इस परियोजना में अपना खून और पसीना बहाया है। उनको मिली हुई इस सफलता और सकारात्मकता को स्वीकार करते हुए, अभिनेता साझा करता है, खैर, यह ईश्वर के पुरस्कार की तरह लगता है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जोखिम जितना अधिक होगा, पुरस्कार भी उतना ही अधिक होगा। कोविड–19 के बाद, मैंने जानबूझकर अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने और केवल चुनिंदा परियोजनाओं का हिस्सा बनने का फैसला किया है। एक अभिनेता के रूप में अपनी क्षमता को ऐसी चुनौती दें, जैसी पहले कभी नहीं मिली। मेरा मानना है कि जब इरादे सही होते हैं, तो भगवान भी आपका साथ देते हैं और इसी तरह, मैंने उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जहां मुझे अप्रत्याशित रोशनी नजर आ सकती थीं, जैसे कि बच्चन पांडे, राणा नायडू और गदर 2, वो भी एक के बाद एक। राणा नायडू के बाद मैं मानसिक रूप से बहुत आश्वस्त था, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे प्रिंस के किरदार के लिए दो विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। हालाँकि, साथ ही, मैं अपने मन में यह भी निश्चित था कि मुझे सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट नही होना है, और इसलिए, मुझे खुद को नियमित सीमाओं से परे धकेलने के लिए हर दिन अपने खेल में शीर्ष पर रहने की जरूरत है।

उन्होंने आगे कहा

मैंने 1970 के एक आर्मी मैन की तरह दिखने के लिए हर शेड्यूल से पहले 9 किलो वजन बढ़ायाय एक सम्मानित सेना अधिकारी के मेरे किरदार के लिए बहुत गहन प्रशिक्षण शामिल था। मैं वास्तव में छोटे और सूक्ष्म विवरणों को समझने के लिए उनके साथ रहता था और प्रशिक्षण लेता था। उनकी जीवन शैली, उनके जीवन से लेकर, उनके विचार, उनकी बातचीत और उनका भोजन, वे अपने प्रशिक्षण में क्या करते हैं, वे कैसे लड़ते हैं और कैसे खाते हैं, सब कुछ मैंने देखा। यह मेरे लिए सीखने का एक बहुत ही सुंदर अनुभव था। मेरे चारों ओर उनकी उपस्थिति मुझे भर देती है, मेरे अंदर सकारात्मकता और श्जोशश था जो निश्चित रूप से उस टैंक स्टंट को करने के पीछे प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत था। क्लाइमेक्स में, कर्नल रावत एक टैंक पर खड़े होकर प्रवेश करते हैं! जब मैं उस स्थिति में बचाने और खलनायक को सुलझाने के लिए आऊंगा तो अनिल जी एक वीरतापूर्ण प्रवेश चाहते थे। मैं टैंक में था, अनायास, उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं उस पर खड़ा हो सकता हूं और प्रवेश कर सकता हूं क्योंकि यह काफी भव्य लगेगा .. और मैं पहले से ही सेना के रक्षक क्षेत्र में था, मैंने बिना यह समझे कि यह अन्य वाहनों से बहुत अलग तरीके से चलता है तुरंत हां कहा। आगे चलने के दौरान टैंक आगे की ओर झुक जाता है और बहुत ऊबड़–खाबड़ हो जाता है। चूँकि वहाँ आपके पैर को मजबूती से रखने या किसी चीज को पकड़ने के लिए कुछ भी नहीं था, यह वास्तव में बहुत खतरनाक था। हालाँकि, हमने 2–3 बार शॉट लगाया और मैंने इसे सुरक्षित रूप से पूरा कर लिया! अब उसे देखने पर, मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं अपना संतुलन खो देता, तो बहुत गंभीर या घातक चोट लगने की संभावना थी। यदि मैं टैंक से गिर जाता तो यह घातक हो सकता था। हालाँकि, चूंकि मैं मानसिक रूप से उस क्षेत्र में था। मैंने तब सोचा भी नहीं था...

उन्होंने आगे कहा

ध्यान देने वाली बात यह है कि पाकिस्तानी सेना में 6–7 पात्र थे और उन सभी के अपने–अपने शेड्स हैं। हालांकि, भारतीय सेना में, पूरा प्रतिनिधित्व कर्नल रावत के माध्यम से था और इसलिए मेरा मानना है कि अनिल जी चाहते थे मेरे लिए यह एक तरह की एंट्री चाहते थे। आपको यह समझना होगा कि एंट्री सीन लगभग 300 वास्तविक जवानों की उपस्थिति में किया गया था जो भारत माता की जय के नारे लगाते हुए हथियारों के साथ मेरे साथ चल रहे थे। उत्तेजना एक दम चरम पर थी और इसलिए जवानों के ऐसे समूह के नेता को साहस के स्रोत के रूप में प्रवेश करना पड़ा। साथ ही सीन ऐसा था कि आखिर में मेरे द्वारा विलेन को मारने पर ही इसका अंत हुआ। इसलिए, दृश्य का ग्राफ इस तरह से शुरू करना था.. एक एकालाप में खलनायक को उसकी जगह पर खड़ा करना और उसके दुष्प्रचार के बारे में चेतावनी देना, उसे तारा सिंह के साथ मामला सुलझाने के लिए कहना और फिर अंततः उसे मार डालना। यह फिल्म के लिए पूर्ण परिणति थी। ।

उन्होंने यह कहकर बातचीत का अंत किया, मुझे खुशी है कि यह काम कर गया और हर जगह लोगों ने इस पर ध्यान दिया। मेरे अंदर का अभिनेता बहुमुखी प्रतिभा के इस चरण का सबसे अधिक आनंद ले रहा है।

ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना अद्भुत लगता है जिसने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से अधिक की कमाई की है। ऐसी फिल्में इतिहास में हमेशा याद की जाती हैं। कई अभिनेताओं को महान फिल्मों का हिस्सा बनने का मौका मिलता है। हालांकि, इतिहास का हिस्सा बनना खास होता है। मुझे इतना प्यार और सराहना देने के लिए अपने दर्शकों का आभारी हूं। यह मुझे और भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। और अपनी आगामी परियोजनाओं में कड़ी मेहनत करूंगा। फिंगर्स क्रॉस्ड।ष पाठको फिल्म में आप सभी को गौरव का अभिनय कैसा लगा? हमें नीचे टिप्पणी अनुभाग में अपने विचार बताएं और अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

एलजी ने चाणक्यपुरी के कौटिल्य मार्ग पर एनडीएमसी का वेस्ट टू आर्ट पार्क लोकार्पित किया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने चाणक्य पुरी के कौटिल्य मार्ग पर निर्माण स्थलों और ऑटोमोबाइल अपशिष्ट से बचाए गए स्क्रैप धातु से बनी कलाकृतियों के सार्वजनिक पार्क को औपचारिक रूप से जनता के देखने के लिए लोकार्पित किया।

पार्क का उद्घाटन करने के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि विकास की दिल्ली में बहार आ गयी है। राष्ट्रीय राजधानी को चमकाने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं और यह खूबसूरत पार्क (जी20 पार्क - कौटिल्य मार्ग) उसी दिशा में एक प्रयास है। इस पार्क में जी20 देशों के पक्षियों की मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। यह पार्क दिल्लीवासियों के लिए एक उपहार है। दिल्ली एक उपेक्षित शहर रहा है और इसे नए विषयों और चीजों के माध्यम से सुंदर बनाने का प्रयास किया गया है।पालिका परिषद ने ललित कला अकादमी के सहयोग से 9 से 10 सितंबर, 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में उनकी भागीदारी के सम्मान में जी20 सदस्यों के जानवरों और पक्षियों की स्क्रैप धातु से बनी 22 कलाकृतियां स्थापित की हैं। जी20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' (वसुधैव कुटुंबकम) की थीम पर आधारित कलाकृतियां आगंतुकों के लिए खोली जा रही हैं।

दिल्ली को दुनिया का नंबर 1 शहर बनाने के लिए केजरीवाल सरकार का साथ देगी सीआईआई

नई दिल्ली। दिल्ली को दुनिया का नंबर 1 शहर बनाने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सपने को साकार करने के लिए सीआईआई दिल्ली सरकार का साथ देगी। सोमवार को दिल्ली सचिवालय में केजरीवाल ने द कॉन्फडेरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के साथ बैठक कर दिल्ली में प्रदूषण, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।सीआईआई ने इन क्षेत्रों में दिल्ली सरकार का साथ देने का प्रस्ताव रखा है। केजरीवाल ने कहा कि चीन व दुबई में क्लाउड सिडिंग तकनीक इस्तेमाल की जा रही है, उसी तर्ज पर दिल्ली में खासकर ठंड के तीन महीने के दौरान इसकी संभावना देखेंगे। दिल्ली सरकार द्वारा सड़कों के सुंदरीकरण कार्य में सीआईआई अपने सीएसआर फंड से सहयोग करेगा।

इस दौरान सीआईआई ने नए उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए इंडस्ट्रीयल व कामर्शियल भूमि के सर्किल रेट कम करने का अनुरोध किया। जिस पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजस्व मंत्री आतिशी को सर्किल रेट तर्क संगत बनाने पर काम करने का निर्देश दिया है। बैठक में राजस्व मंत्री आतिशी, उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज, डीडीसी के उपाध्यक्ष जस्मीन शाह, सीआईआई दिल्ली के चेयरमैन पुनीत कौर के अलावा हर्ष बंसल, जयदीप आहुजा, रचना जिंदल मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल पर चलते ट्रक में लगी आग, ड्राइवर, क्लीनर ने कूद कर बचाई जान

ग्रेटर नोएडा। ईस्टर्न पेरिफेरल पर मंगलवार सुबह एक ट्रक में भीषण आग लग गई। इसके बाद ट्रक ड्राइवर और क्लीनर ने ट्रक से कूद कर अपनी जान बचाई और इसकी सूचना लोकल पुलिस और फायर विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची फायर विभाग की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गनीमत रही कि जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।फायर विभाग गौतमबुद्ध नगर से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को तड़के करीब 3:11 बजे ईस्टर्न पेरिफेरल पर दनकौर कट के पास मोरना से नोएडा आते समय रोड पर चलते ट्रक के पिछले टायर में घर्षण के कारण आग लग गई।

आग लगते ही पूरे ट्रक में फैल गई।क्योंकि ट्रक में रखें सरसो के तूरी की गड्डियों में आग पहुंच गई थी। इसके बाद ट्रक ड्राइवर और क्लीनर ने ट्रक को किसी तरह से रोका और कूद कर अपनी जान बचाई। इसके बाद इस अग्निकांड की सूचना फायर विभाग को दी गई। सूचना पर त्वरित कारवाई करते हुए फायर सर्विस यूनिट घटना स्थल पर पहुंची और 3 गाड़ियों की मदद से आग को कड़ी मशक्कत के बाद बुझा दिया गया। इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई।

राष्ट्रपति भवन के निमंत्रण पत्र में 'दि प्रेसीडेंट ऑफ

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में जी-20 के अवसर पर राष्ट्रपति भवन द्वारा आयोजित रात्रिभोज के अंग्रेज़ी के निमंत्रण पत्र में इंडिया' नाम हटा कर 'भारत' लिखा गया है जिसे लेकर विपक्ष एवं सत्तापक्ष में वाद विवाद आरंभ हो गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शनिवार नौ सितंबर को भारत मंडपम् में मल्टी फंक्शन हॉल में आयोजित रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र को साझा किया जिसमें अंग्रेज़ी में 'दि प्रेसीडेंट ऑफ भारत' लिखा गया है। श्री थरूर ने कहा, 'हालांकि भारत को 'भारत' कहने में कोई संवैधानिक आपत्ति नहीं है, जो देश के दो आधिकारिक नामों में से एक है, मुझे उम्मीद है कि सरकार इतनी मूर्ख नहीं होगी कि 'इंडिया' से पूरी तरह से छुटकारा पा ले, जिसकी सदियों से बनी बहुत बड़ी ब्रांड वैल्यू है। हमें इतिहास के उस नाम पर अपना दावा छोड़ने के बजाय दोनों शब्दों का उपयोग जारी रखना चाहिए, एक ऐसा नाम जिसे दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है।'

कांग्रेस ने जी-20 आमंत्रण पत्र में 'भारत' लिखने पर उठाया सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की तरफ से जी-20 सम्मेलन के लिए मेहमानों को भेजे गये आमंत्रण पत्र में 'इंडिया' की जगह 'भारत' शब्द के प्रयोग को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' से जोड़ते हुए इसे मोदी सरकार का डर करार दिया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स कर कहा कि आमंत्रण पत्र में रिपब्लिक ऑफ 'इंडिया' के स्थान पर रिपब्लिक ऑफ 'भारत' का इस्तेमाल किया गया है और इससे साफ है कि मोदी सरकार विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' से डरी है इसीलिए 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा, जी-20 सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति द्वारा मेहमानों को भेजे गए आमंत्रण पत्र में रिपब्लिक ऑफ 'इंडिया' की जगह रिपब्लिक ऑफ 'भारत' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। इंडिया से इतना डर। यह विपक्ष के लिए मोदी सरकार की नफरत है या एक डरे और सहमे हुए तानाशाह की सनक।

जी20 सम्मेलन के दौरान केवल एक ही मेट्रो स्टेशन यात्रियों के प्रवेश और निकासी के लिए रहेगा बंद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया था लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया है। केवल सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट बंद रहेंगे और बाकी मेट्रो स्टेशनों के दरवाजे यात्रियों के लिए

खुले रहेंगे।इससे पहले दिल्ली पुलिस ने डीएमआरसी को पत्र लिखकर 39 मेट्रो स्टेशनों के दरवाजे बंद रखने का अनुरोध किया था। इसका मकसद जी-20 सम्मेलन में आने वाले विदेशी मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इसमें शामिल स्टेशन वे थे, जिनके आसपास से वीवीआईपी काफिला गुजरता, मेहमान नेता ठहरते। अब दिल्ली पुलिस के नए आदेश के मुताबिक दिल्ली मेट्रो के लिए नई गाइडलाइन यह है कि यात्रियों का प्रवेश और निकास केवल सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर ही प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि मेट्रो यहां से गुजरती रहेगी।

विरोधियों को भी मानता हूं अपना गुरु: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शिक्षक दिवस पर गुरुजनों को नमन करते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर नमन किया और कहा कि वह विरोधियों को भी अपना गुरु मानते हैं।

श्री गांधी ने पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा वह अपने कामों को लेकर विरोधियों की आलोचना से भी सीख लेते हैं और उन्हें भी अपना गुरु मानते हैं।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर सभी गुरुजनों को मेरा सादर नमन। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। गुरु का स्थान जीवन में बहुत ऊंचा होता है, जो आपके जीवन के मार्ग को प्रकाशित कर, सही दिशा में चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी, गौतम बुद्ध, नारायण गुरु जैसे महापुरुषों को गुरु मानता हूं,

जिन्होंने हम सबको समाज में सर्वजन की समानता, और हर किसी के प्रति करुणा और प्रेम का ज्ञान दिया। भारत के लोग भी गुरु समान है, जो हमारे देश की विविधता में एकता का उदाहरण देते हैं, हर समस्या से हिम्मत के साथ लड़ जाने की प्रेरणा देते हैं, जो विनम्रता और तपस्या का साक्षात रूप हैं। उन्होंने कहा, अपने विरोधियों को भी मैं अपना गुरु ही मानता हूं, जो अपने आचरण से, अपने झूठों से, अपनी बातों से मुझे ये सिखाते हैं कि मैं जिस रास्ते पर चल रहा हूं वो बिल्कुल सही है और इस पर आगे बढ़ते रहने के लिए हर कीमत कम है।

महिला को नग्न घुमाने की घटना पर राजस्थान को मानवाधिकार आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) भारत ने राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में एक गर्भवती महिला को उसके परिवार के सदस्यों द्वारा पीटने और नग्न घुमाने की कथित घटना पर राज्य सरकार को नोटिस भेज कर चार सप्ताह में कृत कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि उसने इस मामले में मीडिया की एक खबर पर स्वत-संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार 31 अगस्त को उक्त महिला को उसके परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर पीटा गया और गांव में नग्न घुमाया गया। उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

विज्ञप्ति के अनुसार आयोग ने कहा है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री यदि सच है, तो यह पीड़िता के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। आयोग ने राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद की जा रही जांच की स्थिति की जानकारी भी मांगी गयी है। राज्य सरकार से पीड़ित महिला की स्वास्थ्य स्थिति और प्रशासन द्वारा उसे प्रदान किए गए मुआवजे, यदि कोई के बारे में भी जानकारी मांगी गयी है।मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार गत 02 सितंबर को महिला एक व्यक्ति के साथ पास के गांव में गई थी, जहां से उसके परिवार के सदस्य उसे वापस ले आए और उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया। कथित तौर पर पीड़ित महिला मदद की गुहार लगाती रही, लेकिन लोगों ने मदद के लिए आगे आने के बजाय उसका वीडियो बनाना बेहतर समझा।

जी20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख आकर्षणों में होगा डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन

नई दिल्ली। राजधानी में इस सप्ताह शुरू हो रहे 18वें जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मेहमानों के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले आकर्षणों में डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन भी एक प्रमुख आकर्षण होगा। यहां भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटल सार्वजनिक सुविधाओं की प्रगति के साथ आगंतुक एक कियोस्क श्रीमद्भगवत गीता के दर्शन के आलोक में जीवन से जुड़े सवालों के जवाब भी पा सकते हैं।

इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य प्रतिनिधियों कोभारत में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और महत्वपूर्ण जनसंख्या पैमाने पर लागू डिजिटल परिवर्तन की सफलता का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

जी20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर के बीच प्रगति मैदान के नव निर्मित अत्याधुनिक भारत मंडपम अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन परिसर में आयोजित किया जा रहा है।

मंत्रालय के अनुसार वैश्विक हितधारकों को स्केलेबल और अनुकरणीय परियोजनाओं के बारे में जागरूक बनाने तथा आगंतुकों को डिजिटल प्रौद्योगिकी की शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव कराने में अनूठा अवसर प्रदान करने के लिए इलैक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय प्रगति मैदान में हॉल 4 और हॉल 14 में दो अत्याधुनिक डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन स्थापित कर रहा है।

अधिकारियों के अनुसार भारत इस सम्मेलन के लिए आने वाले राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के आतिथ्य सत्कार के लिए तैयार है। यह शिखर सम्मेलन भारत की अध्यक्षता में एक वर्ष से पूरी की जारी सभी जी20 प्रक्रियाओं और देश भर में आयोजित बैठकों का निष्कर्ष प्रस्तुत करेगा। आयोजन से पहले हुई बैठकों में सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और संगठनों के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने विविध विषयों पर सुगठित तरीके से वार्ताएं की हैं और प्रस्तावों के मसौदे तैयार किए हैं। नयी दिल्ली शिखर सम्मेलन के समापन पर जी20 नेताओं की घोषणा स्वीकार की जाएगी। नेताओं की घोषणा में संबंधित मंत्रिस्तरीय और कार्य समूह की बैठकों के दौरान चर्चा की गई और सहमत प्राथमिकताओं के प्रति नेताओं की प्रतिबद्धता का उल्लेख होगा।

डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन का उद्देश्य विश्व स्तरीय पहलों का प्रदर्शन करना है जो निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करती हैं:जीवन की सुगमता, व्यवसाय की सुगमता, राजकाज में सुगमता। डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का खजाना है, जो डिजिटल इंडिया की महत्वपूर्ण पहलों में ज्ञान और अंतर्दृष्टि से भरा हुआ है। डीपीआई को लागू करने में श्रेष्ठ व्यवहारों को दिखाने के लिए आधार, डिजीलॉकर, यूपीआई, ई-संजीवनी, दीक्षा, भाषिणी और ओएनडीसी जैसी सात प्रमुख पहलों का चयन किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि यह प्रदर्शनी एक गहन अनुभव प्रदान करेगी, जिससे आगंतुकों को भारत में डीपीआई रिपॉजिटरी का पता लगाने और वैश्विक समुदाय की बेहतरी के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

इस प्रदर्शनी में आधार फेस ऑथेंटिकेशन सॉफ्टवेयर , यूपीआई मोबाइल ऐप की सुविधा, क्यूआर कोड को स्कैन करके मामूली भुगतान के साथ सहज लेनदेन के तरीके को दर्शाया जाएगा।

कानपुर के पूर्व प्रधानाध्यापक की हत्या के दो आरोपी एनआईए अदालत में दोषी करार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से दाखिल मामलों की सुनवायी करने वाली विशेष अदालत ने कानपुर के एक विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक की हत्या के सिलसिले में दो व्यक्तियों को दोषी पाया है।

यह मामला 24 अक्टूबर 2016 का है जबकि सेवानिवृत्त प्रधानाधापक की कानपुर में एक गांव के पास घेर कर हत्या कर दी गयी थी। उस समय वह साइकिल से घर लौट रहे थे। एनआईए की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन दोनों ने इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) की आतंकवादी योजनाओं को फैलाने की साजिशों को आगे बढ़ाते हुए यह हत्या की थी। एनआईए की यहां जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि लखनऊ स्थित एनआईए अदालत ने अभियुक्त आतिफ मुजफ्फर और मोहम्मद फैसल खान को दंड विधान की धारा 302, 34 और 120 ख , गैरकानूनी गतिविधि (निवारक) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16(1)क और 18 तथा सस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25 और 27 के अंतर्गत दोषी पाया है।

न्यायालय इन्हें इनके अपराधों के लिए11 सितंबर को सजा सुनाएगा। दोनों कानपुर नगर के निवासी हैं। दोनों अपराधियों ने स्वामी आत्मप्रकाश ब्रह्मचारी जूनियर हाईस्कूल, कानपुर के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक राम बाबू शुक्ला की 24 अक्टूबर 2016 को हत्या कर दी। श्री शुक्ल साइकिल से घर लौट रहे थे। जांच एजेंसी के अनुसार दोनों ने उन पर कानपुर में पियोंडी गांव के पास हमला किया था।

आतंकवादी वारदात की जांच करने वाली केंद्रीय एजेंसी एनआईए की ओर से जांच के बाद इस मामले में 12 जुलाई 2018 को आरोप-पत्र दायर किया गया था। एजेंसी ने जांच में पाया कि दोनों को आईएसआईएस की सोच का जहर भरा गया था और वे काफिरों की हत्या करना चाहते थे।

इनके साथ इनका एक और साथी आतंकवदी मोहम्मद सैफुला भी था जो उत्तर प्रदेश आतंकरोधी कार्यबल (एटीएस) के साथ एक मुठभेड़ में सात मार्च 2017 को मारा गया। एनआईए ने कहा कि अभियुक्त आईएसआईएस की विचारधारा में प्रशिक्षित किए गए थे और वे भारत में जिहाद के लिए आतंक फैलाना चाहते थे।यह मामला सर्व प्रथम 24 अक्टूबर 2016 को कानपुर में चकेरी थाना में प्रकरण संख्या 884/2016 के रूप में दर्ज किया गया था।

गाजियाबाद में कुख्यात महबूब अली की 91 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क, पहले हुई थी 86 करोड़ की कुर्क

गाजियाबाद । गाजियाबाद पुलिस ने कृषि और आबादी की जमीनों पर कब्जा कर प्लाटिंग करने वाले कुख्यात आरोपी महबूब अली पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करते हुए 91 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। इससे पहले भी महबूब अली की 86 करोड़ की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं।

कुख्यात भूमाफिया महबूब अली ट्रोनिका सिटी के सादिकपुर थाना क्षेत्र के पावी गांव का रहने वाला है। महबूब अली के खिलाफ 2008 से अगस्त 2023 के बीच धोखाधडी, मारपीट, अपहरण, जमीन पर कब्जा करने, गुंडा और गैंगस्टर अधिनियम के कुल 20 मामले दर्ज हैं।

भूमाफिया की कुल 109 अचल संपतियों को गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14 (1) के तहत कुर्क किया गया है। महबूब अली मुख्य रूप से धोखाधड़ी करके जमीनों की खरीद-फरोख्त करने और खाली जमीनों पर अवैध कब्जा करना जैसे मामलों में संलिप्त था। गैंगलीडर महबूब अली वर्तमान में ट्रोनिका सिटी थाना का हिस्ट्रीशीटर भी है। अभियुक्त ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में अपने तीन अलग-अलग बहुमंजिला मकानों में तीन अलग-अलग पत्नियों के साथ रहता है। उसके परिवार में पत्नियों के अतिरिक्त 12 संताने हैं।

गाजियाबाद से दिल्ली आने-जाने वाले हो जाएं सावधान, जी-20 को लेकर यातायात पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। गाजियाबाद। जी-20 के आयोजन को देखते हुए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने भी ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर दी है। मालवाहक वाहनों की एंट्री पर पूरी तरीके से तीन दिनों के लिए बैन लगा दिया गया है।पुलिस की एडवाइजरी के मुताबिक भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 18वां जी-20 शिखर सम्मेलन प्रस्तावित है। जिसमें आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भाग लेंगे।इसे देखते हुए विभिन्न मार्गों से आकर गाजियाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी मालवाहनों / मध्यम माल वाहनों / हल्के माल वाहनों को 7 सितंबर शाम 7 बजे से 10 सितंबर को कार्यक्रम के खत्म होने तक डायवर्ट किया गया है। ट्रैफिक विभाग ने जो डायवर्सन किया है, उसके मुताबिक दिल्ली के बाहरी प्रदेशों से आने वाली गाड़ियों का प्रवेश दिल्ली सीमा में पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। सभी भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन अनिवार्य रूप से ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 91 अर्थात बुलंदशहर की ओर से आने वाले वाहन लाल कुआं से दिल्ली की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन लाल कुआं से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 9 से होकर ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग करके अपने गंतव्य को जाएंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 9 अर्थात हापुड़ की ओर से आने वाले वाहन डासना, ईस्टर्न पेरीफेरल, डासना इंटरसेक्शन से आगे दिल्ली की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन डासना इंटरसेक्शन से ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 34 (पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 58) पर मेरठ की ओर से आने वाले वाहन दुहाई से आगे गाजियाबाद की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन दुहाई से ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 709बी पर सहारनपुर ङ्क बागपत की ओर से आने वाले वाहन पेरीफेरल से आगे लोनी / दिल्ली की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे।

आवश्यक वस्तु सेवा अधिनियम के अन्तर्गत आवागमन करने वाले वाहन (दूध, सब्जी, फल, चिकित्सा आपूर्ति) दिल्ली की सीमा में प्रवेश कर आवागमन कर सकेंगे।

गाज़ियाबाद से दिल्ली में प्रवेश करने वाले स्थानों 1. यूपी गेट गाजीपुर बॉर्डर, 2. सीमापुरी बॉर्डर, 3. तुलसी निकेतन बॉर्डर, 4. लोनी बॉर्डर, 5. खजूरी पुस्ता मार्ग से सभी प्रकार के भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहनों का प्रवेश दिल्ली में पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित रहेगा।

खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210